RNI. NO. RAJHIN/2021/82156
डाक पंजीयन संख्याः RJ/ALW/866/2023

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा

जज्बा सच दिखाने का

वर्ष -05 | अंक -326 | मूल्यः 2.00 रू. | अलवर, रविवार 8 फरवरी, 2026 | प्रभात संस्करण | कुल पेज- 8

WWW.Voiceofpratigya.com | Twitter.com/Voiceofpratigya | facebook.com/Voiceofpratigya | YouTube.com/Voiceofpratigya | Instagram- Instagram.com/Voiceofpratigya | 9414508610 | pratigya.alwar@gmail.com

रूसी तेल खरीदः भारत ने दोहराया पुराना रूख, कहा- विविधता जारी रहेगी

अमेरिका की धमकी, रूस से तेल खरीदा तो फिर लगा देंगे टैरिफ

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

अमेरिका की ओर से भारतीय उत्पादों पर लगाए गए अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क को वापस लेने के बाद भी भारत ने यह साफ नहीं किया है कि वह रूस से कच्चा तेल खरीदना बंद करेगा या नहीं। शनिवार को भारत सरकार ने इस मुद्दे पर न तो पुष्टि की और न ही खंडन किया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क को हटाने का फैसला किया। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब कुछ दिन पहले ट्रंप ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की घोषणा की थी।

रूसी तेल खरीदा, तो फिर लगेगा 25 फीसदी टैरिफ :अमेरिका

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि भारत के रूसी तेल की खरीद रोकने और व्यापार बाधाएं कम करने के बदले भारतीय उत्पादों पर अमेरिकी शुल्क 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत किया जाएगा। अपने आदेश में ट्रंप ने दावा किया कि भारत ने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रूसी तेल आयात रोकने, अमेरिका से ऊर्जा उत्पाद खरीदने और अगले 10 वर्षों के लिए रक्षा सहयोग बढ़ाने के ढांचे पर सहमति जताई है। आदेश में यह भी कहा गया है कि अगर अमेरिका के वाणिज्य सचिव को यह पता चलता है कि भारत ने फिर से रूसी तेल आयात शुरू किया है, तो भारत पर दोबारा 25 प्रतिशत शुल्क और अन्य कदमों पर विचार किया जा सकता है।

ट्रंप के दावे पर क्या बोला विदेश मंत्रालय?

हालांकि, भारतीय अधिकारियों ने ट्रंप के इस दावे पर कोई सीधा जवाब नहीं दिया। पूछे जाने पर उन्होंने विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल के हालिया बयान का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि 140 करोड़ लोगों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना भारत सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी कहा था कि बाजार स्थितियों और अंतरराष्ट्रीय हालात के अनुसार ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाना भारत की रणनीति का हिस्सा है। भारत ने पहले भी स्पष्ट किया है कि उसकी ऊर्जा खरीद राष्ट्रीय हितों और बाजार की परिस्थितियों पर आधारित है। पश्चिमी प्रतिबंधों के बाद भारत ने रियायती दरों पर रूसी तेल की खरीद बढ़ाई थी, हालांकि हाल के हफ्तों में इसमें गिरावट दर्ज की गई है।

विदेश मंत्रालय ने तेल खरीद पर दिया था बयान

इस अध्यादेश के आने के बाद वाणिज्य मंत्री गोयल से पूछा गया कि क्या भारत इस बात के लिए सहमत हो गया है कि रूसी तेल आयात नहीं करेगा, तो उनका संक्षिप्त जवाब था कि, विदेश मंत्रालय (MEA) इसकी जानकारी आपको दे पाएंगे। विदेश मंत्रालय ने दो दिन पुराने अपने बयान को जारी किया जिसमें कहा गया है कि 140 करोड़ भारतीयों की ऊर्जा जरूरत को पूरा करना प्राथमिकता है। दो दिन पहले प्रेस वार्ता में प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था, 'भारत की ऊर्जा स्त्रोतों के संबंध में, सरकार ने कई अवसरों पर सार्वजनिक रूप से कहा है कि 1.4 अरब भारतीयों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।' रणधीर जायसवाल ने आगे कहा था, 'उद्देश्यपूर्ण बाजार स्थितियों और विकसित हो रही अंतरराष्ट्रीय गतिशीलता के अनुरूप अपनी ऊर्जा स्त्रोतों में विविधता लाना हमारी इस रणनीति का मूल है।' एमईए की तरफ से आगे बताया गया, 'भारत के सभी कार्य इसी दृष्टिकोण से किए जाते हैं और भविष्य में भी किए जाएंगे।' यह भी उल्लेखनीय है कि एमईए के उक्त बयान से पहले वाणिज्य मंत्री ने संसद में अपने बयान में भी यहीं बाते कही थी।

अमेरिका का अध्यादेश

राष्ट्रपति ट्रंप के अध्यादेश में कहा गया है कि, 'व्यापार सचिव, विदेश सचिव, खजाना सचिव व व्यापार सचिव द्वारा उचित समझे गए किसी अन्य वरिष्ठ अधिकारी के साथ विमर्श से यह निगरानी करेंगे कि क्या भारत ने रूस के तेल का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से आयात फिर से शुरू कर दिया है, जैसा कि कार्यकारी आदेश 14329 की धारा 7 में परिभाषित है।' अध्यादेश में आगे कहा गया, 'यदि व्यापार सचिव को यह पता चलता है कि भारत ने रूसी संघ के तेल का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आयात फिर से शुरू कर दिया है, तो विदेश सचिव, खजाना सचिव, व्यापार सचिव, गृह सुरक्षा सचिव, संयुक्त राज्य अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि, राष्ट्रपति के राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों के सहायक, राष्ट्रपति के आर्थिक नीति सहायक व राष्ट्रपति के वरिष्ठ व्यापार एवं विनिर्माण परिषद के साथ परामर्श करके, राष्ट्रपति को सिफारिश करेंगे कि भारत के संबंध में अतिरिक्त कार्रवाई की जाए या नहीं, कार्रवाई करनी है तो किस हद तक।' इसमें यह शामिल है कि क्या भारत से आयातित वस्तुओं पर 25 प्रतिशत की अतिरिक्त शुल्क दर को फिर से लागू किया जाना चाहिए।'

आत्मसम्मान को वाशिंगटन के पास 'गिरवी' रख दिया... भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर कांग्रेस का सरकार पर आरोप

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने शनिवार को भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते की आलोचना की है। खेड़ा ने आरोप लगाया कि इससे भारत के हितों और आत्म-सम्मान से समझौता हुआ है। कांग्रेस प्रवक्ता ने मौजूदा नेतृत्व की तुलना पिछले नेताओं से की, जो अमेरिकी समकक्षों के सामने मजबूती से खड़े रहे। इसका मतलब था कि अब आत्मविश्वास में कमी आई है। उन्होंने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपतियों निक्सन, बुश और ओबामा का नाम लेते हुए कहा कि पिछली भारतीय सरकारों ने वैश्विक महाशक्तियों के साथ बराबरी का व्यवहार किया था। पवन खेड़ा ने कहा कि वह भारत कहाँ है जो निक्सन, जॉर्ज बुश और ओबामा की आँखों में आँखें डालकर व्यावहारिक संबंध बनाता था? आज ऐसा क्यों लगता है कि भारत के आम लोगों के हितों को नरेंद्र मोदी और उनके दो दोस्तों, अंबानी और अडानी के हितों के आगे नजरअंदाज किया जा रहा है? यह अमेरिका के साथ कोई समझौता नहीं है, बल्कि हमारे आत्म-सम्मान के साथ समझौता है। उन्होंने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के फ्रेमवर्क का जश्न मनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री एस जयशंकर और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल की भी आलोचना की। खेड़ा ने आगे कहा कि जो लोग इसे जश्न मनाने की वजह बता रहे हैं - नरेंद्र मोदी, उनके विदेश मंत्री और पीयूष गोयल खुद जानते हैं कि असल में क्या हुआ है। यह कोई डील नहीं, बल्कि सरेंडर है। कांग्रेस नेता ने यह भी आरोप लगाया कि सत्ता के गलियारों में बहस को दबाने की एक सोची-समझी कोशिश की जा रही है। खेड़ा ने दावा किया कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी को संसद में इस मामले पर बोलने से बार-बार रोका गया है। उन्होंने कहा कि सरकार का खुली बहस से इनकार इस डर से है कि डील की 'सरेंडर' शर्तें जनता के सामने आ जाएंगी।

कोटा में बड़ा हादसा, 3 मंजिला इमारत गिरने से 1 की मौत, मलबे में दबे कई लोग; रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटा

कोटा में शनिवार को देर शाम बड़ा हादसा हो गया है. जवाहर थाना इलाके में तीन मंजिला एक बिल्डिंग गिरने से मलबे में कई लोग दब गए. ओपरा हॉस्पिटल रोड पर स्थित बिल्डिंग में मुरादाबादी नॉन वेज रेस्टोरेंट चल रहा था. इस दौरान वहां पर मौजूद लोग मलबे के नीचे दब गए. फिलहाल मौके पर राहत बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है. मलबे से लोगों को सुरक्षित निकालने का काम जोर-शोर से चल रहा है. बिल्डिंग गिरने की सूचना पर शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर भी घटनास्थल पर पहुंचे हैं. मंत्री मदन दिलावर मौके पर राहत बचाव कार्य की मॉनिटरिंग कर रहे हैं. बताया जा रहा है कि जो इमारत गिरी है, उसी के पास में एक दूसरी बिल्डिंग में जेसीबी से काम चल रहा था. आशंका जताई जा रही है कि जेसीबी की वजह से यह बिल्डिंग गिरी है. बिल्डिंग गिरते ही इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया. जानकारी के अनुसार, बिल्डिंग अभी निर्माणाधीन थी. उसकी दो मंजिले की संरचना पूरी तरह बन गई थी, जबकि तीसरे मंजिल पर काम चल रहा था. इसी बीच शनिवार (07 फरवरी) को देर शाम यह हादसा हो गया. लोकसभा स्पीकर के हुस्थ राजीव दत्ता ने कहा, 'सात लोगों को सुरक्षित बचाया गया है. कुछ लोगों के पैरों में चोट लगी है, कुछ के गर्दन में... अभिजीत नाम के एक व्यक्ति के मौत की सूचना है. परिजनों से अभी बात नहीं हो पाई है.' राजीव दत्ता ने मीडिया से बातचीत में बताया कि रेस्टोरेंट संचालक से हम लोगों ने बात की है, उसका यह मानना है कि उसके 8-10 कर्मचारी भी थे. हो सकता है कि उनका संख्या ज्यादा है. एक लड़का बाहर चाय की दुकान पर खड़ा था. जैसे ही गिरने की आवाज आई तो भागकर गया, उसे पत्थरों से चोट लगी है. ऐसे नहीं है कि सिर्फ बिल्डिंग के अंदर वाले ही हैं, बाहर भी कुछ लोग खड़े थे, जिन्हें चोट आई है. इधर कोटा में बिल्डिंग हादसे पर जानकारी मिलने पर स्पीकर बिरला ने दुःख जताया है. ओम बिरला रेस्क्यू ऑपरेशन के कार्य पर नजर बनाए हुए हैं. उन्होंने जिला कलक्टर व सिटी एसपी से बात की और मौके पर राहत बचाव कार्य को तेज करने के निर्देश दिए हैं. साथ ही हादसे में घायल हुए लोगों के उचित इलाज के लिए भी निर्देश दिए गए हैं. जिला कलेक्टर पीयूष सामरिया ने बताया कि अभी तक मलबे से सात लोगों को निकाल अस्पताल भेज दिया गया है, उनकी मेडिकल रिपोर्ट आनी बाकी है. हमें सकरात्मक उम्मीद कर रहे हैं. मौके पर एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम मौजूद है, मलबे में फंसे अन्य लोगों को निकालने का काम जारी है.

सीएम भजनलाल के 5 साल vs 2 साल पर बड़े-बड़े 'दावे', अशोक गहलोत ने बताई 'असलियत'

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आरजीएचएस के भुगतान को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा है. शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को घेरते हुए अशोक गहलोत ने कहा कि विधानसभा में सीएम भजनलाल अपने 2 घंटे के भाषण में '5 साल बनाम 2 साल' के बड़े-बड़े दावे करते हैं, लेकिन असलियत यह है कि आज प्रदेश के बुजुर्ग पेंशनर्स और बीमारियों से पीड़ित सरकारी कर्मचारी तक दवाइयों के लिए भटक रहा है.

अशोक गहलोत ने एक्स पर लिखा कि मुख्यमंत्री दावे तो बहुत बड़े-बड़े करते हैं, लेकिन असलियत कुछ और है. आज प्रदेश के बुजुर्ग पेंशनर्स व बीमारियों से पीड़ित सरकारी कर्मचारी तक दवाइयों के लिए भटक रहा है. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री दावे 'सुशासन' के कर रहे हैं और हकीकत 'बदहाली' की है. पूर्व सीएम ने लिखा, 'प्रदेश में ℞‖℞ योजना के तहत दवा विक्रेताओं का 800 करोड़ रुपये बकाया है.' अशोक गहलोत ने बताया कि नियम 21 दिन में भुगतान का है, पर 6 महीने से फाइलें अटकी पड़ी हैं. नतीजा- बुजुर्ग पेंशनर्स मेडिकल स्टोर्स से खाली हाथ लौट रहे हैं और उन्हें नए सिरे से महंगे निजी इलाज का बोझ उठाना पड़ रहा है. सत्ता की कुर्सी पर बैठकर पिछली सरकार को कोसना आसान है, लेकिन जनता को मिल रही सुविधाओं को चालू रखना कठिन. मुख्यमंत्री जी, भाषणों के मायाजाल से बाहर निकलकर धरातल पर तड़प रहे इन बुजुर्गों की सुध लीजिए और तुरंत भुगतान सुनिश्चित कीजिए. उन्होंने कहा, 'इसका नतीजा यह है कि बुजुर्ग पेंशनभोगी मेडिकल स्टोर से खाली हाथ लौट रहे हैं और उन्हें नए सिरे से महंगे निजी इलाज का बोझ उठाना पड़ रहा है।' अशोक गहलोत ने शनिवार को एक बयान में इस संबंध में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पर भी निशाना साधा। अशोक गहलोत ने कहा, 'मुख्यमंत्री शर्मा विधानसभा में अपने दो घंटे के भाषण में 'पांच साल बनाम दो साल' के बड़े-बड़े दावे करते हैं, लेकिन असलियत यह है कि आज प्रदेश के बुजुर्ग पेंशनर एवं बीमारियों से पीड़ित सरकारी कर्मचारी तक दवाइयों के लिए भटक रहा हैं।' उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, 'दावे 'सुशासन' के और हकीकत 'बदहाली' की!' कांग्रेस नेता के अनुसार, 'सत्ता की कुर्सी पर बैठकर पिछली सरकार को कोसना आसान है

लोकसभा में हंगामाः केंद्रीय मंत्री रिजिजू का दावा- स्पीकर के कक्ष में घुस आए थे 40-50 सांसद, विपक्ष जिम्मेदार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जवाब न देने के लिए विपक्ष को जिम्मेदार ठहराया। भाजपा नेता ने दावा किया कि प्रधानमंत्री के भाषण देने से पहले 40 से 50 विपक्षी सांसद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के कक्ष में घुस गए थे। भाजपा नेता ने दावा किया कि प्रधानमंत्री के भाषण से पहले 40-50 सांसद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के कक्ष में घुस गए थे। उन्होंने आपत्तिजनक भाषा में बात की, जिसकी वजह हमने यह निर्णय लिया कि प्रधानमंत्री का (सदन से) दूर रहना ही बेहतर होगा। रिजिजू पटना में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान वह विपक्ष के आरोप पर जवाब दे रहे थे। विपक्ष ने आरोप लगाया था कि प्रधानमंत्री ने इसलिए लोकसभा का सामना नहीं किया, क्योंकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आरोपों का डर था। राहुल गांधी ने पूर्व सेना प्रमुख एमएम नरवणे की किताब में चीन के साथ झड़पों का हवाला दिया था। रिजिजू ने कहा, मैं यह बात बिल्कुल स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि हम किसी से नहीं डरते। हम सत्ता में हैं। हम सदन में मार्शल बुलाकर अपने विरोधियों को आसानी से चुप करा सकते थे। लेकिन हम इस तरह के अलोकतांत्रिक व्यवहार में भरोसा नहीं करते। इसलिए, शुरुआत में हमने विपक्ष को बातचीत की मेज पर लाने की कोशिश की।

विकसित भारत की ओर बड़ी छलांगः अमेरिका ने खोले दरवाजे, 30 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी में सीधी एंट्रीः पीयूष गोयल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच 500 अरब डॉलर (करीब 45,29,069.80 रुपये) के व्यापार समझौते के लिए एक अंतरिम ढांचे पर सहमति बन गई है। यह समझौता न केवल दोनों देशों के आर्थिक रिश्तों में एक नया अध्याय है, बल्कि भारतीय निर्यातकों के लिए अमेरिकी बाजार में पैठ बढ़ाने का एक बड़ा मौका भी है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को अमेरिका के साथ हुई इस डील पर सरकार का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि देश को विकसित बनाने की दिशा में यह समझौता अहम साबित होगा। गोयल ने कहा कि हमारे निर्यातकों के लिए 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था मोस्ट प्रीफर्ड ड्यूटी के साथ खुलती है। कल देर रात जो भारत-अमेरिका के बीच संयुक्त बयान तय हुआ, दुनिया के सामने रखा गया, इसका हर तरफ स्वागत हुआ है। गोयल ने कहा कि आज का दिन भारत के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा। पूरे देश में खुशी की लहर है। यह दिन विकसित भारत के लिए अहम माना जाएगा। पीयूष गोयल ने कहा कि आज का दिन विकसित भारत 2047 की राह में एक महत्वपूर्ण दिन है, और उन्होंने अंतरिम व्यापार समझौते को भारत की अर्थव्यवस्था के लिए एक ऐतिहासिक कदम बताया।भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक वार्ता फरवरी 2025 में शुरू हुई थी, जिसका लक्ष्य प्रति वर्ष 500 अरब डॉलर का निर्यात कारोबार हासिल करना था। गोयल ने समझौते की घोषणा के बाद देशभर में फैली खुशी और आशावाद की भावना पर प्रकाश डाला। उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करते हुए एक भव्य, दूरदर्शी दृष्टिकोण प्रस्तुत करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व की प्रशंसा की। द्विपक्षीय समझौते की चर्चा करते हुए हुए गोयल ने कहा कि यह दोनों देशों के बीच व्यापार को बढ़ावा देने और सहयोग को गहरा करने पर केंद्रित रही है। इस समझौते से भारतीय निर्यातकों, विशेष रूप से लघु एवं मध्यम उद्यमों, किसानों और मछुआरों के लिए अवसरों में वृद्धि होने की उम्मीद है। गोयल ने इस दिन को भारत-अमेरिका व्यापार इतिहास में 'सुनहरे अक्षरों में लिखे जाने वाला दिन' बताया। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मीडिया को भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा से अवगत कराते हुए इसे भारत के आर्थिक विकास के लिए एक ऐतिहासिक कदम बताया।

रत्न और फार्मा कंपनियों पर कोई शुल्क नहीं लगेगा

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि नए भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के तहत, कई प्रमुख वस्तुओं के अमेरिका को निर्यात पर कोई शुल्क नहीं लगेगा। रत्न और आभूषणों के साथ-साथ औषधीय उत्पादों को भी अब शुल्क-मुक्त पहुंच प्राप्त होगी, जिससे भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी और 'मेक इन इंडिया' पहल को समर्थन मिलेगा। गोयल का कहना है कि रत्न, फार्मा, कॉफी, आम और अन्य कई वस्तुएं अमेरिका को शुल्क-मुक्त निर्यात की जाएंगी। कृषि क्षेत्र में, कई भारतीय उत्पाद अब बिना किसी शुल्क के संयुक्त राज्य अमेरिका को निर्यात किए जा सकेंगे। इनमें चाय, मसाले, नारियल तेल, वनस्पति मोम, सुपारी, ब्राजील नट्स, शाहबलूत और विभिन्न प्रकार के फल और सब्जियां शामिल हैं। पीयूष गोयल के अनुसार, सब्जी की जड़ें, अनाज, जौ, बेकरी उत्पाद, कोको उत्पाद, तिल के बीज, खसखस और खट्टे फलों के रस पर भी कोई पारस्परिक शुल्क नहीं लगेगा और अब वे अमेरिकी बाजार में शुल्क-मुक्त प्रवेश करेंगे। 'कई ऐसी वस्तुएं जिन पर पहले 50' टैरिफ लगता था, अब शून्य शुल्क के साथ अमेरिकी बाजार में प्रवेश करेंगी,' पीयूष गोयल ने नए भारत-अमेरिका व्यापार ढांचे के तहत भारतीय निर्यातकों के लिए एक बड़ी जीत पर प्रकाश डालते हुए कहा। गोयल ने कहा, 'चीन पर 35' टैरिफ लगाया गया है, जबकि बांग्लादेश और वियतनाम पर 25' टैरिफ लगाया गया है। हम पर अब काफी कम प्रतिशत टैरिफ लगता है।' पीयूष गोयल ने कहा कि कई भारतीय निर्यातों पर पारस्परिक शुल्क घटकर शून्य हो जाएगा, जिससे संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। जिन प्रमुख क्षेत्रों को लाभ मिल रहा है उनमें विमान के पुर्जे, मशीनरी के पुर्जे, जेनेरिक दवाएं, फार्मास्यूटिकल्स और बंगाल, केरल और महाराष्ट्र से आने वाले रत्न और हीरे शामिल हैं। शून्य शुल्क के अंतर्गत आने वाली अन्य वस्तुओं में सिक्के, प्लैटिनम, घड़ियां, आवश्यक तेल, कुछ घरेलू सजावट की वस्तुएं जैसे झूमर, बीज और अकार्बनिक रसायन और यौगिक शामिल हैं।

सिलीसेढ़ बर्ड फेस्टिवल और बाघ संरक्षण सम्मेलन से अलवर बना पर्यावरण और वन्यजीव नीति का राष्ट्रीय केंद्र

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

अलवर जिले ने पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता और वन्यजीव प्रबंधन के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। रामसर साइट सिलीसेढ़ झील पर आयोजित अलवर बर्ड फेस्टिवल और इसके समानांतर बाघ रेंज राज्यों के मुख्य वन्यजीव वार्डन व बाघ अभ्यारण्यों के फील्ड निदेशकों के दो दिवसीय सम्मेलन ने अलवर को पर्यावरणीय विमर्श का केंद्र बना दिया। दोनों कार्यक्रमों में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव और वन राज्यमंत्री संजय शर्मा की सक्रिय भागीदारी रही।

सिलीसेढ़ झील पर आयोजित बर्ड फेस्टिवल के दौरान भूपेंद्र यादव ने बर्ड वॉचिंग कर कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि अलवर केवल प्राकृतिक सौंदर्य का उपहार नहीं है, बल्कि यह ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी विशिष्ट पहचान रखता है। अलवर क्षेत्र में 200 से अधिक पक्षी प्रजातियां पाई जाती हैं, जो देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों और शोधकर्ताओं के लिए बड़ा आकर्षण हैं। ऐसे आयोजनों से न केवल पक्षियों के संरक्षण को बढ़ावा मिलता है, बल्कि स्थानीय पर्यटन, रोजगार और पर्यावरण के प्रति जन-जागरूकता भी सशक्त होती है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हर वर्ष फरवरी माह में आयोजित होने वाला बर्ड फेस्टिवल और अंतरराष्ट्रीय टाइगर मैराथन अलवर को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने में सहायक होंगे। उन्होंने बताया कि देश में अब तक 98 रामसर साइट घोषित की जा चुकी हैं और सिलीसेढ़ झील को यह दर्जा मिलना जिले के लिए गर्व का विषय है। पहली बार केंद्रीय बजट में बर्ड वॉचिंग को शामिल किया जाना प्रकृति पर्यटन के महत्व को दर्शाता है।

भूपेंद्र यादव ने अलवर में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए बताया कि भूरासिद्ध क्षेत्र में मातृवन, कटी घाटी में नगर वन और जैविक उद्यान की स्थापना की गई है। सरिस्का क्षेत्र में बाघ संरक्षण के सफल प्रयासों के चलते यहां बाघों की संख्या में निरंतर वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि टाइगर मैराथन जैसे आयोजनों से युवाओं में वन्यजीव संरक्षण और स्वच्छता के प्रति सकारात्मक संदेश जाता है।

इसी दौरान अलवर में आयोजित बाघ रेंज राज्यों के मुख्य वन्यजीव वार्डन और बाघ अभ्यारण्यों के फील्ड निदेशकों के सम्मेलन में देशभर के वरिष्ठ वन अधिकारी शामिल हुए। सम्मेलन का उद्देश्य राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण की बैठकों में लिए गए नीतिगत निर्णयों की समीक्षा करना और यह पहचान करना रहा कि कौन से निर्णय अप्रचलित हो चुके हैं, किन्हें लागू नहीं किया जा सका और किनका प्रभावी क्रियान्वयन हुआ है। मंत्री ने कहा कि बाघ संरक्षण के 50 वर्ष पूरे होने के बाद यह व्यापक समीक्षा का उपयुक्त समय है।

सम्मेलन में बाघों की संख्या के आकलन, मानव-वन्यजीव संघर्ष, बचाव एवं पुनर्वास ढांचे, बाघ अभ्यारण्य निधि के उपयोग और क्षेत्र-विशिष्ट चुनौतियों पर गहन विचार-विमर्श किया गया। चार कार्य समूहों के गठन पर भी जोर दिया गया, जो अलग-अलग क्षेत्रों में बाघ संरक्षण की स्थिति की समीक्षा करेंगे। साथ ही विभिन्न राष्ट्रीय संस्थानों के बीच समन्वय बढ़ाकर शोध आधारित सुझावों को जमीनी स्तर पर लागू करने पर चर्चा हुई।

वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने कहा कि पहली बार अलवर में बर्ड फेस्टिवल का आयोजन जिले के लिए ऐतिहासिक क्षण है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन से पर्यटन को गति मिलेगी और देश-विदेश के शोधकर्ताओं को पक्षियों की विभिन्न प्रजातियों पर अध्ययन का अवसर मिलेगा। उन्होंने घोषणा की कि बर्ड फेस्टिवल की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए हर वर्ष 2 फरवरी को इसका आयोजन किया जाएगा। उन्होंने मंगलासर और मानसरोवर बांध को भी रामसर साइट घोषित कराने की आवश्यकता जताई।

सम्मेलन के दौरान चीता पुनर्वास कार्यक्रम, अंतरराष्ट्रीय बिग कैट एलायंस और वैश्विक बिग कैट शिखर सम्मेलन के प्रस्तावों पर भी चर्चा हुई। मंत्री ने कहा कि बढ़ती गर्मी, भूमि मरुस्थलीकरण और जैव विविधता के नुकसान जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने में भारत की भूमिका महत्वपूर्ण है।

दोनों आयोजनों के दौरान वन्यजीव संरक्षण में उत्कृष्ट योगदान देने वाले कार्मिकों को सम्मानित किया गया। सिलीसेढ़ बर्ड फेस्टिवल और बाघ संरक्षण सम्मेलन ने यह स्पष्ट कर दिया कि अलवर न केवल प्राकृतिक पर्यटन का केंद्र बन रहा है, बल्कि देश की वन्यजीव संरक्षण नीति और पर्यावरणीय भविष्य को दिशा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

प्रतापगढ़ को नगरपालिका का दर्जा देने की मांग तेज, बजट सत्र से उम्मीद

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा प्रतापगढ़

प्रतापगढ़ तहसील को नगरपालिका घोषित करने की मांग अब तेज हो गई है। क्षेत्र के नागरिकों, व्यापारियों और सामाजिक संगठनों ने राज्य सरकार से आगामी बजट सत्र में प्रतापगढ़ को नगरपालिका का दर्जा देने की मांग की है। लोगों का कहना है कि बढ़ती आबादी और शहरी जरूरतों को देखते हुए प्रतापगढ़ इस दर्जे की सभी पात्रताएं पूरी करता है। स्थानीय निवासियों के अनुसार प्रतापगढ़ तहसील मुख्यालय होने के साथ-साथ क्षेत्र का प्रमुख व्यापारिक और प्रशासनिक केंद्र है। सड़क, परिवहन, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की कनेक्टिविटी बेहतर होने से आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की निर्भरता लगातार बढ़ी है। कस्बे के चारों ओर पड़ाक छापली, लालपुरा, गुर्जरों का गुवाड़ा, भुरियावास, आमका, टोडा और माधोगढ़ जैसी ग्राम पंचायतें स्थित हैं, जिनकी आबादी दैनिक आवश्यकताओं के लिए प्रतापगढ़ पर निर्भर है। वर्तमान में नालियों, सड़कों, जलापूर्ति, स्ट्रीट लाइट और सफाई जैसी शहरी सुविधाओं के लिए पर्याप्त बजट नहीं है। नगरपालिका बनने से योजनाबद्ध विकास संभव होगा और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।इस मांग को लेकर प्रतिनिधि चाणक्य लाल शर्मा, कप्तान सिंह, भौरलाल प्रजापत, अरविंद बलाई और जगनाथ मीणा सहित कई लोग सक्रिय हैं। पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक प्रतापगड़िया ने बताया कि यह मांग सरकार तक पहुंचाई जा चुकी है। लोगों को उम्मीद है कि बजट सत्र में इस पर सकारात्मक निर्णय होगा।

एसआईआर-2026: फार्मों में कमी मिलने पर मतदाताओं को नोटिस, नगर निगम में सूची चस्पा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

जिला निर्वाचन विभाग द्वारा मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 के तहत अलवर शहर विधानसभा क्षेत्र के कई मतदाताओं को नोटिस जारी किए गए हैं। जिन मतदाताओं के परिगणना प्रपत्रों में जानकारी संबंधी विसंगतियां पाई गईं, उनके नामों की सूची नगर निगम के नोटिस बोर्ड पर चस्पा की गई है, ताकि संबंधित मतदाता जानकारी प्राप्त कर सकें। निर्वाचन विभाग के अनुसार बीएलओ द्वारा भरे गए फार्मों में नाम, आयु, लिंग सहित अन्य विवरणों में अंतर पाए जाने पर नोटिस जारी किए गए हैं। इन दावों व आपत्तियों का निस्तारण बीएलओ और ईआरओ द्वारा किया जाएगा, जिसके बाद अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन होगा। नोटिस प्राप्त मतदाताओं की वार्ड व मतदान केंद्र भागवार सूची तैयार की गई है, जिसमें क्रमांक, भाग क्रम संख्या, एपिक नंबर, नाम, आयु, लिंग और विसंगति का कारण दर्ज है। एसआईआर-2026 के तहत फार्म जमा कराने की अंतिम तिथि पहले 4 दिसंबर थी, जिसे बढ़ाकर 11 दिसंबर किया गया। 11 दिसंबर को ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी की गई, जबकि 16 दिसंबर से 15 जनवरी तक दावे व आपत्तियां आमंत्रित की गईं। जिन फार्मों में कमियां पाई गईं, उन्हें सुधार के लिए नोटिस दिए गए हैं। निर्वाचन आयोग के आदेशानुसार 14 फरवरी को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। एसडीएम माधव भारद्वाज ने बताया कि मतदाताओं को घबराने की जरूरत नहीं है, किसी का नाम सूची से नहीं काटा गया है। सत्यापन के बाद सभी कमियों को दूर किया जा रहा है।

पुलिस ने दो दिन में 8 आरोपियों को मादक पदार्थ बेचते दबोचा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

जिले में मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने दो दिन में बड़ी कार्रवाई करते हुए 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अलग-अलग थाना क्षेत्रों में नाकाबंदी और दबिश के दौरान पुलिस ने गांजा, स्मैक, डोडा पाउडर और प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद किए हैं। कार्रवाई में कुल 4 किलो 566 ग्राम गांजा, 31 प्रतिबंधित ओनेरेक्स कफ सिरप, 934 ग्राम डोडा पाउडर और 1.38 ग्राम स्मैक जब्त की गई है। एएसपी मुख्यालय कांबले शरण गोपीनाथ ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों में इलियास उर्फ इल्ली खान निवासी गाजूका, चंद्रप्रकाश उर्फ चीकू जाटव निवासी खुदनपुरी, रकबीर ओड राजपूत निवासी सुहेटा थाना ततारपुर, मंगतूराम निवासी रसूलपुर थाना लक्ष्मणगढ़, बलदेव गुर्जर निवासी इंदोक और सुरजीत जाटव निवासी गहनकर थाना जालूकी जिला डीग शामिल हैं। इन सभी को अलग-अलग स्थानों से नशीले पदार्थ बेचते और सप्लाई करते हुए गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा अखैपुरा थाना पुलिस ने 6 फरवरी को 1.38 ग्राम स्मैक के साथ दीपक राजपूत और मनोज राजपूत को पकड़ा। दोनों आरोपी बाइक से स्मैक की सप्लाई करने जा रहे थे। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने पीछा कर उन्हें दबोच लिया। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर मादक पदार्थों की सप्लाई चेन की जानकारी जुटा रही है।

गश्त के दौरान जेल प्रहरियों को मिला मोबाइल पैकेट, 4 माह में चौथी घटना से सुरक्षा पर सवाल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

सेंट्रल जेल में सुरक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। जेल के अंदर पैकेट में मोबाइल और डाटा केबल फेंके जाने का मामला सामने आया है। हालांकि, जेल प्रहरियों की सतर्कता के चलते मोबाइल कैदियों तक पहुंचने से पहले ही बरामद कर लिया गया। घटना 5 फरवरी रात करीब 11 बजे की है। इस संबंध में कोतवाली थाने में जेल प्रहरी मनोज कुमार शर्मा की ओर से मामला दर्ज कराया गया है। मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि वे मुख्य प्रहरी शिवशंकर और हरिकिशन प्रजापत के साथ वार्ड नंबर 7, 8 और 9 तथा मेन वॉल क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान वार्ड नंबर 8 और 9 के बीच स्थित मंदिर के ऊपर कुछ गिरने की आवाज सुनाई दी। मौके पर पहुंचकर देखा तो वार्ड नंबर 9 के सामने मंदिर के ऊपर एक पैकेट पड़ा मिला। इसकी सूचना रात्रि गश्त अधिकारी और कारापाल ओमप्रकाश शर्मा को दी गई। कारापाल ओमप्रकाश शर्मा और पवन डउकिया मौके पर पहुंचे और पैकेट की जांच की गई, जिसमें एक मोबाइल फोन और सफेद रंग की डाटा केबल मिली। गौरतलब है कि पिछले चार माह में यह चौथी घटना है, जब जेल में मोबाइल या सिमकार्ड से जुड़ा मामला सामने आया है। इससे पहले अक्टूबर, सितंबर और दिसंबर में अलग-अलग चेकिंग के दौरान कैदियों के पास से मोबाइल और सिमकार्ड बरामद हो चुके हैं, जिससे जेल प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय में किया पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता आयोजन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा चित्तौड़गढ़

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय चित्तौड़गढ़ में BIS क्लब के अंतर्गत पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता आयोजित पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय चित्तौड़गढ़ में BIS क्लब के अंतर्गत आज पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता विद्यालय के प्रधानाचार्य अमित कुमार पालिवाल के मार्गदर्शन में संपन्न हुई, जिन्होंने विद्यार्थियों को इस प्रकार की रचनात्मक एवं जागरूकता-आधारित गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने गुणवत्ता, मानक एवं नवाचार जैसे विषयों पर आकर्षक पोस्टर प्रस्तुत किए। पोस्टरों का मूल्यांकन अजय कुमार मिश्रा, वंदना मैम एवं बृजेन्द्र सिंह द्वारा किया गया, जिन्होंने विद्यार्थियों की सृजनात्मकता की सराहना की। कार्यक्रम का सफल संचालन BIS क्लब मेंटर सुरेश कुमार प्रजापत के मार्गदर्शन में किया गया। इस प्रकार की गतिविधियाँ विद्यार्थियों में गुणवत्ता के प्रति जागरूकता एवं रचनात्मक सोच को विकसित करने में सहायक सिद्ध होती हैं।

गोविंदगढ़ में वृद्ध आश्रम निर्माण का भूमि पूजन, गांधी पार्क के सामने हुआ शुभारंभ

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा गोविंदगढ़

कस्बे में बेसहारा और जरूरतमंद बुजुर्गों के लिए वृद्ध आश्रम निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम गांधी पार्क के सामने स्थित भूखंड पर मानव सेवा समिति के तत्वावधान में संपन्न हुआ। भूमि पूजन के साथ ही वृद्ध आश्रम निर्माण कार्य का औपचारिक शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में रामगढ़ विधायक सुखवंत सिंह मुख्य अतिथि रहे। इस अवसर पर रामेश्वर रावत ने बताया कि विधायक के प्रयासों से गोविंदगढ़ में वृद्ध आश्रम निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ है। उन्होंने कहा कि मानव सेवा समिति लंबे समय से गरीब, असहाय और बेसहारा लोगों की सेवा में लगी हुई है और इस सामाजिक कार्य में जनप्रतिनिधियों का सहयोग महत्वपूर्ण रहा है। भूमि पूजन जगदीश शर्मा द्वारा विधिवत कराया गया। इसके बाद नीम का पौधा खोदकर और पांच ईंटों की चिनाई कर निर्माण कार्य की प्रतीकात्मक शुरुआत की गई। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में गोविंदगढ़ थानाधिकारी धर्मसिंह, नगरपालिका के जेईएन नवीन दुआ और योगेंद्र शर्मा मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामेश्वर दयाल रावत ने की। इस अवसर पर नदीश स्वामी, गिर्राज मीणा, मोहन सेठी, डालचंद गुप्ता, भुवनेश गुप्ता, कैलाश गुप्ता, ओमदीप गुप्ता, कैलाश शर्मा सहित समिति के सदस्य और बड़ी संख्या में कस्बेवासी उपस्थित रहे। लोगों ने इस पहल को बुजुर्गों के सम्मान और सेवा की दिशा में सराहनीय कदम बताया।

बाल विवाह प्रतिषेध कानून की दी जानकारी, प्रधानाध्यापकों व एसएमसी सदस्यों का प्रशिक्षण

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

उमरैण ब्लॉक शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शिव शिक्षा समिति राणोली द्वारा 100 दिवसीय बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत प्रधानाध्यापकों एवं एसएमसी सदस्यों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बाल विवाह की रोकथाम को लेकर शिक्षा तंत्र की भूमिका को मजबूत करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ परियोजना अधिकारी प्रियंका सिंह ने किया। उन्होंने अभियान के उद्देश्य और महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि अलवर जिले में बाल विवाह की स्थिति 32.02 प्रतिशत है, जो गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने पंचायत स्तरीय बाल संरक्षण समिति में प्रधानाध्यापक एवं एसएमसी सदस्यों की जिम्मेदारियों पर चर्चा करते हुए कहा कि विद्यालय स्तर से ही बाल विवाह रोकथाम के ठोस प्रयास संभव हैं। ब्लॉक कोऑर्डिनेटर रुबिया ने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बाल विवाह एक दंडनीय अपराध है और इसमें शामिल माता-पिता, पंडित, हलवाई, टेंट संचालक, रिश्तेदार सहित सभी लोग कानून के तहत दोषी माने जाते हैं। साथ ही विद्यालय सुरक्षा एवं सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण से जुड़े मानकों पर भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम का संचालन रुबिया द्वारा किया गया। अंत में सभी प्रतिभागियों ने बाल विवाह रोकथाम की शपथ ली। उपस्थित रविंद्र यादव ने प्रशिक्षण को उपयोगी और जागरूकता बढ़ाने वाला बताया।

गोविंदगढ़ में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की रथ रैली, विधायक ने दिलाई जागरूकता की शपथ

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा गोविंदगढ़

कस्बे में बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से सौ दिवसीय बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत रथ रैली का आयोजन किया गया। यह रैली जन जीवन कल्याण संस्थान द्वारा जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन के सहयोग से निकाली गई। रथ रैली को रामगढ़ विधायक सुखवंत सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर विधायक सुखवंत सिंह ने लोगों से बाल विवाह न करने और इसे रोकने में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। उन्होंने कहा कि बाल विवाह केवल कानूनन अपराध ही नहीं, बल्कि समाज की एक गंभीर बुराई है, जो बच्चों के भविष्य को अंधकारमय बना देती है। उन्होंने समाज के हर वर्ग से इस कुप्रथा के खिलाफ एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। संस्थान के लोकेश कुमार मुद्गल ने बताया कि बाल विवाह के कारण बच्चे शिक्षा से वंचित हो जाते हैं। विवाह के बाद अधिकांश बच्चे स्कूल छोड़ देते हैं। लड़कियों पर घरेलू जिम्मेदारियों का बोझ डाल दिया जाता है, जबकि लड़कों से कम उम्र में ही परिवार का भरण-पोषण करने की अपेक्षा की जाती है। इससे बच्चों के सीखने, कौशल विकास और आत्मनिर्भर बनने के अवसर सीमित हो जाते हैं, जिसका सीधा असर उनके भविष्य पर पड़ता है। कार्यक्रम में लोकेश कुमार, सलाम खान, पुष्पेंद्र कुमार शर्मा, फारुख खान सहित अनेक कार्यकर्ता और स्थानीय लोग उपस्थित रहे। रैली के माध्यम से कस्बे में बाल विवाह के खिलाफ सशक्त संदेश दिया गया।

शिक्षक एप पर उपस्थिति में अलवर जिला दूसरे स्थान पर, कोटपूतली-बहरोड़ 23वें पायदान पर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

प्रदेश में शिक्षक एप के माध्यम से स्टाफ और विद्यार्थियों की ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने के मामले में अलवर जिला दूसरे स्थान पर रहा है। जनवरी माह की रिपोर्ट के अनुसार जिले ने न केवल उपस्थिति दर्ज करने में बल्कि मिड डे मील रिपोर्टिंग और शाला संबलन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी सराहनीय प्रदर्शन किया है। इससे शिक्षा विभाग के डिजिटल निगरानी प्रयासों को मजबूती मिली है। जनवरी माह में अलवर जिले में शिक्षक एप पर स्टाफ की उपस्थिति 95.64 प्रतिशत और विद्यार्थियों की उपस्थिति 82.51 प्रतिशत दर्ज की गई। वहीं मिड डे मील रिपोर्टिंग 72.42 प्रतिशत रही। इन आंकड़ों के आधार पर अलवर जिला प्रदेश में मजबूत स्थिति में नजर आया। शिक्षा निगरानी से जुड़े डिजिटल प्रयासों में जिले की सक्रियता को अधिकारियों ने सकारात्मक संकेत बताया है। हालांकि अलवर जिले से अलग होकर बने कोटपूतली-बहरोड़ और खैरथल-तिजारा जिलों का प्रदर्शन अपेक्षाकृत कमजोर रहा। कोटपूतली-बहरोड़ जिला प्रदेश में 23वें स्थान पर रहा, जबकि खैरथल-तिजारा 38वें स्थान पर पहुंचकर सबसे निचले पायदान पर रहा। वहीं पाली जिला प्रदेश में पहले स्थान पर रहा है। अलवर जिले के 10 ब्लॉकों में कुल 1492 सरकारी स्कूल संचालित हैं। इनमें से 1462 स्कूलों में शिक्षक एप के माध्यम से ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज की जा रही है। जंगल और दूरस्थ क्षेत्रों में स्थित 30 स्कूलों में इंटरनेट कनेक्टिविटी की समस्या के कारण फिलहाल ऑनलाइन उपस्थिति संभव नहीं हो पाई है। मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान के तहत जिले में 1 लाख 81 हजार 246 विद्यार्थियों की ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इसके मुकाबले जनवरी माह में 1 लाख 30 हजार 497 विद्यार्थियों की उपस्थिति दर्ज की गई। शाला संबलन अभियान में भी अलवर जिला प्रदेश में दूसरे स्थान पर रहा। जिले के 1231 स्कूलों में शिक्षा अधिकारियों ने डिजिटल स्कूल निगरानी प्रणाली एप के माध्यम से निरीक्षण किया, जिनमें से 782 स्कूलों में विद्यार्थियों की उपस्थिति 80 प्रतिशत से अधिक पाई गई। सीडीईओ महेश गुप्ता ने कहा कि सभी शिक्षकों के सामूहिक प्रयासों से जिला यह उपलब्धि हासिल कर सका है। सिस्टम में मौजूद कमियों को दूर करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि आने वाले समय में जिला प्रथम स्थान प्राप्त कर सके।

कूण प्रीमीयर लीग का समापन आज, सेमीफाइनल व फाइनल मुकाबले होंगे

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा लसाड़िया

लसाड़िया उपखंड क्षेत्र के कूण कस्बे में कूण प्रीमीयर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता में शनिवार को कई रोचक मुकाबले हुए। बुधवार से प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। पांच दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता में को कई रोचक मुकाबले हुए। पाटीया इलेवन, फ्रेंड्स क्लब सलुम्बर व मातावेली सुपर किंग टीमें पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच गई। आयोजकों ने बताया कि शनिवार को पहला मैच फोरेस्ट इलेवन रॉयल व इनिंग स्टार लसाड़िया के बीच हुआ। फोरेस्ट इलेवन रॉयल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 59 रन बनाए। जवाब में इनिंग स्टार लसाड़िया ने छठे ओवर में ही मुकाबला जीत लिया। दुसरा मुकाबला जिंदगी डाबाचुक व युवा नेता के मध्य हुआ। जिसमें जिंदगी डाबाचुक 28 रन ही बना सकी। युवा नेता टीम दुसरे ओवर में ही जीत दर्ज कर ली।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा अलवर पहुंचे, जनसभा सहित कई कार्यक्रम

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार देर रात अलवर पहुंचे। उनके साथ उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी भी शहर आईं। मुख्यमंत्री रात करीब 9 बजे सर्किट हाउस पहुंचे, जहां भाजपा नेताओं व पदाधिकारियों ने स्वागत किया। सर्किट हाउस में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव भी मौजूद रहे। आगमन के बाद मुख्यमंत्री ने जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों और जनप्रतिनिधियों की बैठक ली। बैठक में आगामी नगर निकाय और पंचायती चुनावों को लेकर संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी की असली ताकत हैं और चुनावी सफलता का आधार भी वही हैं। उन्होंने विधायकों से कहा कि कार्यकर्ताओं के सहयोग से वे विधायक बने हैं, अब कार्यकर्ताओं को पंचायत समिति सदस्य, जिला परिषद सदस्य और नगर निगम पार्षद बनाने की जिम्मेदारी भी उनकी है। साथ ही कांग्रेस सरकार के पिछले पांच साल और भाजपा सरकार के कार्यों की तुलना जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री रविवार सुबह 5.45 बजे प्रताप ऑडिटोरियम से अलवर टाइगर इंटरनेशनल हाफ मैराथन में शामिल होंगे। इसके बाद दोपहर 11 बजे बहाला में ग्रामोत्थान शिविर का निरीक्षण कर सभा को संबोधित करेंगे। दोपहर 12.25 बजे वे किशनगढ़बास के बघेरीकलां गांव जाएंगे, जहां स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेकर ग्रामीणों से संवाद करेंगे।

मुंडावर में बड़ा हादसा टलाः अस्पताल मोड़ पर ओवरलोड ट्रेलर पलटा, चालक बाल-बाल बचा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा मुंडावर

मुंडावर कस्बे के हरसौली मोड़ पर अस्पताल के पास शनिवार सुबह करीब छह बजे बड़ा हादसा होते-होते टल गया। बहरोड़ से भिवाड़ी की ओर जा रहा रोड़ी से भरा 22 चक्का ओवरलोड ट्रेलर तेज गति के कारण असंतुलित होकर सड़क पर पलट गया। हादसे में सड़क पर रोड़ी और डीजल फैल गया, जिससे कुछ देर के लिए यातायात बाधित हो गया। दुर्घटना के बाद आसपास के ग्रामीणों व दुकानदारों ने तत्परता दिखाते हुए केबिन में फंसे चालक को सुरक्षित बाहर निकाला। गनीमत रही कि अलवर जाने वाली रोडवेज बस कुछ मिनट देरी से पहुंची, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। पास ही लगे बिजली के पोल व ट्रांसफार्मर को भी नुकसान नहीं पहुंचा। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि टोल बचाने के लिए रोजाना इसी मार्ग से ओवरलोड ट्रेलर गुजरते हैं, लेकिन प्रशासन कोई कार्रवाई नहीं कर रहा।

सैनी माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में वार्षिक उत्सव धूमधाम से मनाया

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तिजारा

तिजारा कस्बे के विकास पर स्थित सैनी माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में वार्षिक उत्सव धूमधाम से मनाया गया। प्रधानाचार्य सुभाष सैनी ने बताया कि इस अवसर पर छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया, जिनमें नाटक, नृत्य और गीत शामिल थे। अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलित कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया , छात्रों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिनमें देशभक्ति गीत, नाटक और नृत्य शामिल थे। अतिथियों के द्वारा शिक्षा के महत्व को समझाया गया और बच्चों के उज्जवल भविष्य की सभी ने शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिया। इस कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष कपिल गुप्ता, महंत जस्सू महाराज, कमलेश सैनी ,सतपाल, विशंभर सैनी, कैप्टन शोनारायण सैनी, सुरेश फौजी, सुनील कुमार यादव, भौमसिंह,बंसीलाल सैनी, तेजपाल सैनी ,इंदर सिंह दहिया, उमेश सैनी बने सिंह गुर्जर, एडम गुर्जर, प्रीति यादव, मोहनलाल सैनी रमेश गुप्ता, राम सैनी, जसवंत सैनी और अनेक सैकड़ो अभिभावक शिक्षक गण उपस्थित रहे ,इसी दौरान प्रधानाचार्य सुभाष सैनी ने बताया कि गणतंत्र के उपलक्ष में प्रधानमंत्री द्वारा सम्मानित हुए उत्कर्ष शर्मा का सैनी माध्यमिक विद्यालय तिजारा के प्रांगण में दिव्या और भव्य स्वागत किया गया।

निशुल्क नेत्र जांच व स्वास्थ्य और रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तिजारा

ग्राम मौसमपुर मे सामाजिक सरोकार की दिशा में पहल करते हुए निशुल्क नेत्र जांच व चिकित्सा और स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। आयोजन के संयोजक अखिलेश यादव ने बताया की 270 लोगों ने स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविर का लाभ लिया और साथ ही सैकडो लोगों ने रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया ! इस शिविर में स्टार हॉस्पिटल भिवाड़ी एवं डॉ श्रॉफ आई हॉस्पिटल के विशेषज्ञयो ने अपनी सेवाएं दी ! आयोजनकर्ता जितेंद्र यादव ने बताया कि शिविर में सभी को निशुल्क दवइयां ,निशुल्क जांच और निशुल्क आँखों के ऑपरेशन की सुविधाएं दी गई साथ ही सभी रक्तदाताओं को सम्मान पत्र और उपहार देकर सम्मानित किया गया युवाओं के साथ-साथ महिलाओं ने भी रक्तदान किया !

गणतंत्र उत्सव में तिजारा का मान बढ़ाने वाले उत्कर्ष शर्मा का भव्य स्वागत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तिजारा

गणतंत्र उत्सव में उत्कृष्ट योगदान देकर तिजारा का नाम पूरे देश में रोशन करने वाले उत्कर्ष शर्मा का शनिवार को तिजारा में भव्य स्वागत किया गया। बाबा बालकनाथ योगी के कार्यालय एवं अहिंसा सर्किल पर आम नागरिकों, समाजसेवियों एवं युवाओं ने माल्यार्पण कर उनका अभिनंदन किया। यह क्षण तिजारा वासियों के लिए गर्व और सम्मान का प्रतीक रहा। इस अवसर पर महंत जस्सू महाराज, एडवोकेट पुरुषोत्तम सैनी एवं उनकी टीम, राजेंद्र सैनी, रामचंद्र सैनी, नवल पटवारी, कृष्ण प्रधान, कैप्टन सोनाराम सैनी, देवी शर्मा, पंडित बेगराज शर्मा, राम शर्मा, सुधांशु गौतम एवं निरंजन सेन सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने उत्कर्ष शर्मा की मेहनत, अनुशासन और समर्पण की प्रशंसा करते हुए उन्हें तिजारा के युवाओ के लिए प्रेरणा स्रोत बताया।

बाबा भर्तृहरि महाराज के भव्य मंदिर के निर्माण का भूमिपूजन एवं शिलान्यास समारोह कार्यक्रम आयोजित

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तिजारा

तिजारा महाराज श्री भर्तृहरि की पावन तपोभूमि सूरजमुखी पहाड़ पर वर्षों से संजोया गया सपना अब साकार होने जा रहा है। बाबा भर्तृहरि महाराज के भव्य मंदिर के निर्माण का भूमिपूजन एवं शिलान्यास समारोह विधि-विधान और जयकारों के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में महाराज श्री भर्तृहरि धर्मार्थ विकास संस्थान की अध्यक्ष एवं पूर्व जिला प्रमुख रेखा राजू यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उनके कर-कमलों से मंदिर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु, साधु-संत और क्षेत्रवासी मौजूद रहे। बताया गया कि यह मंदिर उज्जैन स्थित बाबा भर्तृहरि महाराज मंदिर की तर्ज पर निर्मित किया जाएगा। मंदिर के गर्भगृह को विशेष रूप से पारंपरिक शैली में बनाया जाएगा। निर्माण कार्य भक्तों के सहयोग से किया जा रहा है और इसे पूर्ण होने में लगभग एक वर्ष का समय लगेगा। सूरजमुखी पहाड़ वह ऐतिहासिक स्थल है, जहां बाबा भर्तृहरि महाराज ने वर्षों तक कठोर तपस्या की थी। यहीं स्थित उनकी गुफा एवं प्राचीन शिवलिंग आज भी श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। मान्यता है कि इस शिवलिंग की स्थापना स्वयं बाबा भर्तृहरि महाराज ने की थी। शिलान्यास अवसर पर उज्जैन से पधारे साधु-संतों के सान्निध्य में धार्मिक अनुष्ठान किए गए। वातावरण पूरे समय 'हर-हर महादेव' और 'बाबा भर्तृहरि महाराज की जय' के जयघोष से गुंजायमान रहा। कार्यक्रम में देशपाल यादव, कृष्ण कुमार सैनी, पुरुषोत्तम सैनी, प्रमोद सैनी, सुभाष चंद सैनी, बनेसिंह गुर्जर, जस्सू महाराज,कपिल गुप्ता, यशपाल आचार्य, सतपाल प्रजापत, बिशम्बर सैनी, रामनिवास दायमा,वीर सिंह चौहान,जयपाल सैनी, जसवंत सैनी, सतपाल प्रजापत, जंगलीराम सैनी, राकेश सैनी, कंवर सिंह यादव सहित अनेक गणमान्य नागरिक, साधु-संत एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

भिवाड़ी में बस्ती स्तर पर 9 विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

देश भर में आयोजित हो रहे विराट हिन्दू सम्मेलन के क्रम में शनिवार को भिवाड़ी शहर की 9 बस्तियों में हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है ये हिन्दू सम्मेलन भिवाड़ी शहर की विभिन्न बस्तियों द्वञ्च सेक्टर 5 , भगत सिंह कॉलोनी, सूरज सिनेमा, बिलाहेडी व अरावली विहार मेला ग्राउंड जबकि नीमई ग्रीन ,कजरिया ग्रीन,कैपिटल ग्रीन और आशियाना उत्सव में भी भव्य विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया है महाराणा प्रताप बस्ती द्वञ्च सेक्टर 5 व 6 आयोजन समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र यादव ने बताया कि सम्मेलन की तैयारी हेतु कार्यकर्ता घर घर निमंत्रण दे रहे है भगतसिंह कॉलोनी में हो रहे विराट हिन्दू सम्मेलन के लिए घर घर भगवा पताकाएं वितरित की जा रही है सूरजमल बस्ती अध्यक्ष लाखन सिंह के अनुसार भगवा यात्रा, कलश यात्रा व विभिन्न झांकियों के माध्यम से हिन्दू समाज में भेदभाव को दूर करने व सामाजिक समरसता का संदेश दिया जाएगा उक्त सम्मेलन अरावली विहार स्थित मेला ग्राउंड में सम्पन्न होगा इसी क्रम में श्रीराम बस्ती विराट हिन्दू सम्मेलन आयोजन समिति अध्यक्ष अनिल रावत के अनुसार कैपिटल ग्रीन व आशियाना तरंग का हिन्दू सम्मेलन व कलश यात्रा का आयोजन किया गया है बाबा हरदेव बस्ती का हिन्दू सम्मेलन निमई ग्रीन में आयोजित होगा समिति अध्यक्ष राजेंद्र यादव ने बताया कि सम्मेलन की तैयारी हेतु असेंशिया में प्रभात फेरी के माध्यम से घर घर निमंत्रण दिया गया देवनारायण बस्ती का हिन्दू सम्मेलन कजरिया ग्रीन में व चाणक्य बस्ती का विराट हिन्दू सम्मेलन आशियाना उत्सव में होगा।

सब्जी की दुकान से 3.50 किलो गांजा बरामद, दो युवक गिरफ्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

भिवाड़ी पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार कर कुल 3.50 किलोग्राम से अधिक गांजा जब्त किया है। इसमें से मुख्य आरोपी सब्जी बेचने की आड़ में लंबे समय से गांजा की बिक्री कर रहा था। जब्त गांजे की अनुमानित बाजार कीमत करीब 1 लाख रुपये बताई जा रही है।यह कार्रवाई भिवाड़ी एसपी प्रशांत किरण के निर्देश पर एएसपी अतुल साहू और डीएसपी कैलाश चौधरी की देखरेख में की गई। थानाधिकारी सचिन शर्मा के नेतृत्व वाली टीम ने जिला स्पेशल टीम के साथ मिलकर ऑपरेशन चलाया।डीएसपी कैलाश चौधरी के अनुसार, शुक्रवार शाम करीब 6 बजे सब इंस्पेक्टर पुनित कुमार की टीम भिवाड़ी औद्योगिक क्षेत्र और हरचंदपुर रोड स्थित फूलबाग सब्जी मंडी में गश्त कर रही थी। मुखबिर से सूचना मिली कि सब्जी दुकान चलाने वाला सचिन उर्फ अंशु (20 वर्ष, पुत्र महेश अग्रवाल, निवासी घटाल, भिवाड़ी) अवैध मादक पदार्थ रखता और बेचता है।टीम ने तुरंत दुकान पर छापा मारा। आरोपी दुकान के पीछे संदिग्ध हालत में खड़ा मिला। पूछताछ में वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सका और बार-बार आलू की बोरियों की ओर देखता रहा। तलाशी के दौरान आरोपी ने खुद एक पीली पॉलीथिन थैली निकालकर सौंपी, जिसमें खाकी पैकेट में 2.855 किलोग्राम गांजा भरा था। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत गांजा जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।इसी क्रम में यूआईटी थाना पुलिस ने हरचंदपुर गांव की भाटी कॉलोनी से सचिन भारती (23 वर्ष, पुत्र निकेत प्रसाद, निवासी देवरिया, उत्तर प्रदेश) को 350 ग्राम गांजे के साथ गिरफ्तार किया। दोनों आरोपियों की आपराधिक पृष्ठभूमि की जांच चल रही है। पुलिस गांजे की खरीद-फरोख्त के नेटवर्क को उजागर करने के लिए गहन पूछताछ कर रही है।भिवाड़ी पुलिस लगातार नशा तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है, जिससे क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थों पर अंकुश लगाने में मदद मिल रही है।

भिवाड़ी के कहरानी में पार्षद पर लाठी-डंडों से हमला, परिवार को जान से मारने की धमकी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

भिवाड़ी के कहरानी इलाके में शनिवार दोपहर करीब 1:30 बजे एक छोटा-सा विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। पीड़ित परिवार ने नगर परिषद पार्षद छुटटन (पुत्र गफुर) और उनके परिजनों पर लाठी-डंडों तथा धारदार हथियारों से हमला करने का गंभीर आरोप लगाया है। इस घटना में कई युवकों को गंभीर चोटें आई हैं।पीड़ित हसन पुत्र आसु ने भिवाड़ी पुलिस थाना फेज-तृतीय में दर्ज शिकायत में बताया कि उनकी दादी घर के बाहर खड़ी थीं। तभी आरोपी बढन (पुत्र गफुर) ने उन्हें धक्का दे दिया, जिससे बुजुर्ग महिला जमीन पर गिर गईं। विरोध करने पर आरोपी ने गाली-गलौज शुरू कर दी। इसके बाद आरोपी पक्ष से फरीद उर्फ फर्रा (पुत्र साहबू), कामील और आमीर (पुत्र रसीद), फरान (पुत्र बढन) तथा पार्षद छुटटन लाठी-डंडों और धारदार हथियार लेकर मौके पर पहुंचे। उन्होंने साद, हसन और सहरूख पर जमकर हमला किया।हमले में साद और हसन के सिर पर गंभीर चोटें आईं, सहरूख की नाक घायल हुई, जबकि बुजुर्ग दादी को अंदरूनी चोटें आईं, जिससे उन्हें चलने-फिरने में कठिनाई हो रही है। आरोपियों ने पीड़ितों के घर पर पत्थरबाजी भी की और फरार हो गए। सभी घायलों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।पीड़ित परिवार ने पार्षद छुटटन पर पद का दुरुपयोग कर धमकी देने का भी आरोप लगाया है। शिकायत के अनुसार, पार्षद ने कहा, 'तुम जहां रिपोर्ट करनी है कर लो, पुलिस मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकती। अगर मैं चाहूंगा तो तुम कहरानी में रह भी नहीं पाओगे।' परिवार को इलाका छोड़ने या जान से मारने की खुली धमकी दी गई है। पीड़ितों ने पुलिस को चेतावनी दी कि कोई अप्रिय घटना होने पर आरोपी जिम्मेदार होंगे।पुलिस ने शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। भिवाड़ी क्षेत्र में हाल के दिनों में ऐसी हिंसक घटनाएं बढ़ी हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर तनाव बना हुआ है। आगे की कार्रवाई से स्थिति स्पष्ट होगी।

अनुशासन और राष्ट्रसेवा की मिसाल बने उत्कर्ष शर्मा, पीएम से मिला सम्मान, कस्बे के लोगों ने किया स्वागत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तिजारा

तिजारा अनुशासन और राष्ट्रसेवा की मिसाल बने उत्कर्ष शर्मा, पीएम से मिला सम्मान, क्षेत्र के लिए गौरव का क्षण तब आया, जब होनहार युवा उत्कर्ष शर्मा को दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस परेड के दौरान एनसीसी में कमांडिंग ऑफिसर के रूप में उत्कृष्ट सेवाओं, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सम्मानित किया गया। यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे तिजारा शहर के लिए सम्मान और गर्व का विषय बन गई है। शर्मा तिजारा पहुंचने पर कस्बे वासियों ने फूल मालाओं से स्वागत किया, उत्कर्ष शर्मा, पुत्र रामचन्द्र शर्मा कृष्णा टेंट हाउस, तिजारा, ने राजपथ (कर्तव्य पथ), नई दिल्ली पर आयोजित गणतंत्र दिवस परेड में सहभागिता कर तिजारा का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया। उनकी यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि मेहनत, अनुशासन और राष्ट्रसेवा की भावना से छोटे शहरों के युवा भी देशभर में पहचान बना सकते हैं। उत्कर्ष शर्मा की इस सफलता से क्षेत्र के युवाओं में उत्साह का माहौल है और ये उन्हें प्रेरणास्रोत के रूप में देख रहे हैं। कार्यक्रम में , महंत जस्सू महाराज, एडवोकेट पुरुषोत्तम सैनी, बेग राज शर्मा, नवल पटवारी, सूबेदार गूगन यादव ,कृष्ण शर्मा, देवी शर्मा, गोलू शर्मा, पुरुष राजेंद्र सैनी,सुधांशु गौतम ,राजू शर्मा, सहित कस्बे के लोग मौजूद रहे।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने स्वर्गीय हेमसिंह भड़ाना के परिजनों से मिलकर जताई संवेदना

हेमसिंह भड़ाना का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा- उप मुख्यमंत्री

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल-तिजारा

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शनिवार को पूर्व मंत्री स्वर्गीय हेमसिंह भडाना के निवास पर पहुंचकर दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि अर्पित की । श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्होंने कहा कि हेमसिंह भड़ाना का सार्वजनिक जीवन और समाज के प्रति उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। उप मुख्यमंत्री ने परिवार के सदस्यों से बातचीत कर गहरी संवेदना व्यक्त की तथा ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को शांति और परिजनों को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करें। उन्होंने कहा कि इस अपूरणीय क्षति को भर पाना संभव नहीं है, लेकिन पूरा प्रदेश इस कठिन समय में परिवार के साथ खड़ा है। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों ने भी दिवंगत पूर्व मंत्री को श्रद्धांजलि दी और उनके द्वारा किए गए जनसेवा कार्यों को याद किया।

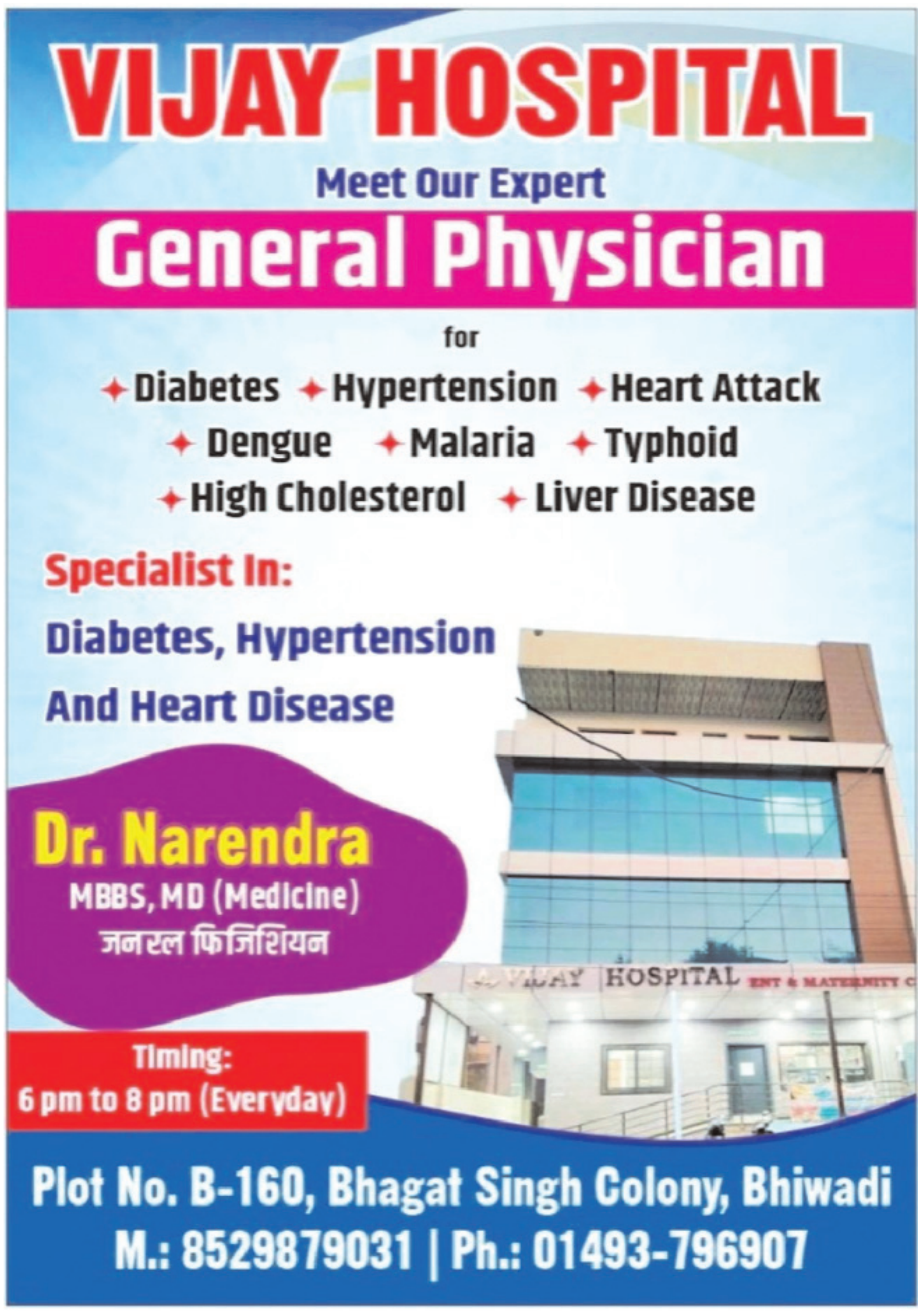

स्क्रीन में सिमटती दुनिया और कमजोर होती बचपन की नजर

कांतिलाल मांडोतल

यह समझना जरूरी है कि तकनीक अपने आप में बुरी नहीं है, लेकिन उसका अनियंत्रित उपयोग हमारी सबसे कीमती इंद्रियों में से एक, आंखों, को नुकसान पहुंचा रहा है। अगर आज हमने इस पर ध्यान नहीं दिया, तो आने वाले वर्षों में एक ऐसी पीढ़ी सामने होगी, जो बचपन से ही कमजोर नजर के साथ जीने को मजबूर होगी। खुला आसमान, दूर तक फैला मैदान और धूप में खेलते बच्चे केवल यादें न बन जाएं, इसके लिए अभी से सचेत होना होगा।

कभी बेंगलूरू जैसे शहरों में सुबह की शुरूआत खुली हवा, पेड़ों की हरियाली और दूर तक फैले मैदानों को निहारते हुए होती थी। आंखें सहज रूप से दूर तक देख लेती थीं, नजरें बिना किसी दबाव के काम करती थीं। लेकिन बीते एक दशक में यह दृश्य तेजी से बदला है। अब बच्चों और किशोरों की दुनिया कुछ इंच की स्क्रीन में सिमट गई है। मोबाइल, टैबलेट और लैपटॉप ने ज्ञान, मनोरंजन और संवाद को बेहद आसान बना दिया है, लेकिन इसी सुविधा की कीमत हमारी आंखें चुका रही हैं। आंखें, जो प्रकृति के हिसाब से दूर देखने और खुले वातावरण में काम करने के लिए बनी हैं, अब लगातार पास की चीजों पर टिके रहने को मजबूर हैं। इसका असर यह हुआ है कि कम उम्र में ही नजर से जुड़ी समस्याएं, खासकर मायोपिया यानी निकट दृष्टि दोष, तेजी से बढ़ रहा है।

नेत्र रोग विशेषज्ञों का मानना है कि यह केवल एक व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि एक उभरता हुआ सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट है। अत्यधिक स्क्रीन टाइम, शारीरिक सक्रियता की कमी और असंतुलित जीवनशैली ने मिलकर बच्चों की आंखों पर ऐसा दबाव डाला है, जिसकी भरपाई आगे चलकर बेहद मुश्किल हो सकती है। हाल के स्वास्थ्य कार्यक्रमों और अध्ययनों में लाखों बच्चों की जांच के दौरान यह सामने आया है कि दृष्टि संबंधी समस्याएं अब अपवाद नहीं रहीं, बल्कि सामान्य होती जा रही हैं। यह स्थिति इसलिए और चिंताजनक है क्योंकि बच्चों की आंखें अभी विकास की अवस्था में होती हैं और इस दौरान पड़ने वाला नकारात्मक प्रभाव जीवनभर साथ रह सकता है।

मायोपिया की समस्या को समझना जरूरी है। जब बच्चा लगातार पास की चीजों, जैसे मोबाइल स्क्रीन या किताब, पर ध्यान केंद्रित करता है तो आंखों की मांसपेशियां उसी स्थिति में ढलने लगती हैं। धीरे-धीरे आंख की संरचना में बदलाव आने लगता है और दूर की वस्तुएं धुंधली दिखाई देने लगती हैं। शुरूआत में यह समस्या हल्की होती है, लेकिन समय के साथ चश्मे का नंबर बढ़ता चला जाता है। कई मामलों में किशोरावस्था तक पहुंचते-पहुंचते बच्चों को मोटे लेंस लगाने पड़ते हैं। यह केवल देखने की समस्या नहीं है, बल्कि सिरदर्द, आंखों में जलन, थकान और ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई जैसी परेशानियां भी साथ आती हैं।

स्क्रीन की लत का एक और गंभीर पहलू ड्राई आई सिंड्रोम है, जो पहले वयस्कों में ज्यादा देखा जाता था, लेकिन अब बच्चों में भी आम हो रहा है। जब हम स्क्रीन देखते हैं तो सामान्य से कम पलक झपकाते हैं। इससे आंखों की सतह सूखने लगती है, जलन और लालिमा बढ़ती है। लंबे समय तक ऐसा रहने पर आंखों की प्राकृतिक सुरक्षा प्रणाली कमजोर पड़ सकती है। इसके अलावा, नीली रोशनी का अत्यधिक संपर्क आंखों की रेटिना पर भी नकारात्मक असर डाल सकता है, जिससे भविष्य में गंभीर समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है।

इस पूरी तस्वीर में सबसे ज्यादा चिंता की बात शिशुओं और छोटे बच्चों को मोबाइल और टीवी दिखाने की बढ़ती प्रवृत्ति है। कई अभिभावक बच्चे को शांत रखने या व्यस्त रखने के लिए स्क्रीन का सहारा लेते हैं। लेकिन विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि यह आदत बच्चों के मानसिक, भावनात्मक और दृष्टि विकास तीनों पर नकारात्मक असर डाल सकती है। शुरूआती वर्षों में बच्चे की आंखें और मस्तिष्क तेजी से विकसित होते हैं। इस दौरान स्क्रीन पर निर्भरता उनके प्राकृतिक सीखने की प्रक्रिया को बाधित करती है। आंखें गहराई, दूरी और गति को पहचानने का अभ्यास नहीं कर पातीं, जो आगे चलकर देखने की क्षमता को प्रभावित कर सकता है।

प्राकृतिक रोशनी की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कई अध्ययनों में यह साफ तौर पर सामने आया है कि जो बच्चे रोजाना पर्याप्त समय बाहर धूप में बिताते हैं, उनमें मायोपिया का जोखिम कम होता है। धूप में रहने से शरीर में विटामिन-डी का स्तर बेहतर होता है और आंखों में डोपामाइन का स्राव बढ़ता है, जो आंख की लंबाई को नियंत्रित करने में मदद करता है। इसके विपरीत, बंद कमरों में सीमित रहना और ज्यादातर समय स्क्रीन के सामने बिताना आंखों को उनके प्राकृतिक वातावरण से दूर कर देता है।

आज का शहरी जीवन बच्चों को खुले में खेलने से भी वंचित कर रहा है। पढ़ाई का दबाव, सुरक्षा की चिंता और डिजिटल मनोरंजन की उपलब्धता ने खेल के मैदानों को खाली कर दिया है। नतीजा यह है कि बच्चे न सिर्फ शारीरिक रूप से कम सक्रिय हो रहे हैं, बल्कि उनकी आंखों को भी वह राहत नहीं मिल पा रही, जिसकी उन्हें जरूरत है। आंखों के लिए दूर तक देखना एक तरह का व्यायाम है, जो उन्हें स्वस्थ रखता है। जब यह अभ्यास बंद हो जाता है तो आंखें कमजोर पड़ने लगती हैं।

दूरगामी परिणामों की बात करें तो यह समस्या केवल चश्मे तक सीमित नहीं रहती। उच्च स्तर का मायोपिया भविष्य में रेटिना डिटैचमेंट, ग्लूकोमा और मैक्युलर डिजनरेशन जैसी गंभीर आंखों की बीमारियों का खतरा बढ़ा सकता है। इसका मतलब है कि जो समस्या बचपन में शुरू होती है, वह वयस्कता में अंधेपन तक का कारण बन सकती है। इसके अलावा, कमजोर नजर का असर बच्चे के आत्मविश्वास, पढ़ाई और सामाजिक व्यवहार पर भी पड़ता है। बार-बार आंखों की थकान और सिरदर्द से जूझता बच्चा पढ़ाई में पिछड़ सकता है और खेलकूद से दूर हो सकता है।

अभिभावकों की भूमिका इस पूरे परिदृश्य में बेहद अहम है। बच्चों को पूरी तरह तकनीक से दूर रखना संभव नहीं है और न ही यह व्यावहारिक है। लेकिन संतुलन बनाना जरूरी है। स्क्रीन टाइम को सीमित करना, बीच-बीच में आंखों को आराम देना और बच्चों को बाहर खेलने के लिए प्रोत्साहित करना छोटे लेकिन प्रभावी कदम हो सकते हैं। भोजन में हरी सब्जियां, फल और पोषक तत्व शामिल करना भी आंखों की सेहत के लिए जरूरी है। साथ ही, समय-समय पर आंखों की जांच करवाना समस्याओं को शुरूआती चरण में पकड़ने में मदद करता है।

समाज और शिक्षा व्यवस्था को भी इस दिशा में सोचने की जरूरत है। स्कूलों में लंबे समय तक डिजिटल पढ़ाई के बजाय मिश्रित तरीकों को अपनाया जाना चाहिए, जहां स्क्रीन और किताब दोनों का संतुलित उपयोग हो। बच्चों को आंखों की देखभाल के बारे में जागरूक करना और खुले में गतिविधियों के लिए समय निर्धारित करना भविष्य की पीढ़ी की दृष्टि बचाने की दिशा में बड़ा कदम हो सकता है।

यह समझना जरूरी है कि तकनीक अपने आप में बुरी नहीं है, लेकिन उसका अनियंत्रित उपयोग हमारी सबसे कीमती इंद्रियों में से एक, आंखों, को नुकसान पहुंचा रहा है। अगर आज हमने इस पर ध्यान नहीं दिया, तो आने वाले वर्षों में एक ऐसी पीढ़ी सामने होगी, जो बचपन से ही कमजोर नजर के साथ जीने को मजबूर होगी। खुला आसमान, दूर तक फैला मैदान और धूप में खेलते बच्चे केवल यादें न बन जाएं, इसके लिए अभी से सचेत होना होगा। बच्चों की आंखों की सुरक्षा केवल स्वास्थ्य का सवाल नहीं, बल्कि उनके पूरे भविष्य से जुड़ा हुआ मुद्दा है। (वरिष्ठ पत्रकार,साहित्यकार,स्तम्भकार) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

भारत और ईयू वार्ता

डॉनल्ड ट्रंप के मूड के हिसाब से कभी बंद, तो कभी खुलते अमेरिकी बाजार के दरवाजों से परेशानी के दौर में भारत और ईयू ने उस वार्ता को अंजाम तक पहुंचाया है, जो 19 वर्षों से खिंच रही थी। डॉनल्ड ट्रंप के प्रहार झेल रही दुनिया में भारत और यूरोपियन यूनियन (ईयू) ने मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) करके मजबूत संदेश दिया है। ट्रंप के मूड के हिसाब से कभी बंद, तो कभी खुलते अमेरिकी बाजार के दरवाजों से परेशानी के दौर में दोनों पक्षों ने उस वार्ता को अंजाम तक पहुंचाया है, जो 19 वर्षों से खिंच रही थी। इसके बावजूद एफटीए के लागू होने में अभी कम-से-कम एक वर्ष लगेगा। इसके तहत मिलने वाली रियायतों के संपूर्णतः लागू होने में तो सात साल लगेंगे। ईयू में ऐसे समझौतों पर मुहर लगने की प्रक्रिया दुरूह है। मसलन, अब समझौते के प्रारूप का वहां प्रचलित 24 भाषाओं में अनुवाद होगा। संबंधित देशों की हरी झंडी मिलने के बाद यूरोपीय संसद उसे पारित करेगी। उस प्रक्रिया से होकर निकले प्रारूप पर तब जाकर दस्तखत हो पाएंगे। चूंकि विवादास्पद मुद्दों को फिलहाल एफटीए से अलग रखा गया है, इसलिए संभावना है कि उपरोक्त प्रक्रियाएं निर्बाध पूरी हो जाएंगी। कृषि, निवेश संरक्षण, कार्बन टैक्स आदि फिलहाल एफटीए में शामिल नहीं हैं। पिछले वित्त वर्ष में भारत और ईयू के बीच व्यापार 136.5 बिलियन डॉलर का था। एफटीए लागू होने के बाद इसमें 41- 65 प्रतिशत तक वृद्धि होने का अनुमान है। अमेरिका के लगाए टैरिफ से भारत के जीडीपी को 1.6 फीसदी नुकसान का अंदाजा लगाया गया था। संभावना है कि उसमें से लगभग आधे की भरपाई ईयू से बढ? वाले व्यापार से हो जाएगी। इससे ईयू के वस्त्र बाजार में भारतीय उत्पाद बांग्लादेश और पाकिस्तान के उत्पादों का बाजार छीन पाएंगे। मगर महंगे वाहनों, नासपाती, कीवी, स्टील, फूड प्रोसेसिंग आदि के भारतीय कारोबार पर नकारात्मक प्रभाव भी पड़ेगा। बहरहाल, बदलती हुई दुनिया में निर्यात केंद्रित अर्थव्यवस्थाएं ऐसे ही उपायों से अपनी मुश्किलों से निकलने की जद्दोजहद कर रही हैं। पिछले ह ते दावो में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने आह्वान किया था कि मध्यम श्रेणी की ताकतें उत्पीड? से बचने के लिए मिल-जुल कर रास्ता निकालें। उसी तरह की एक राह निकालने की कोशिश भारत-ईयू ने की है। इससे भविष्य को लेकर फिलहाल माहौल में सकारात्मकता आई है। इसमें एक मजबूत संदेश निहित है।

चिंतन-मनन

सर्वव्यापक और न्यायकारी ईश्वर

ईश्वर का दंड एवं उपहार दोनों असाधारण हैं। इसलिए आस्तिक को सदा ध्यान रहेगा कि दंड से बचा जाए और उपहार प्राप्त किया जाए।

यह प्रयोजन छुटपुट पूजा-अर्चना, जप-ध्यान से पूरा नहीं हो सकता। यह भावनाओं और क्रियाओं को उत्कृष्टता के सांचे में ढालने से ही पूरा होता है। न्यायनिष्ठ जज की तरह ईश्वर किसी के साथ पक्षपात नहीं करता। अपना गुणगान करने वाले के साथ यदि वह पक्षपात करने लगे, तब उसकी न्याय व्यवस्था का कोई मूल्य न रहेगा, सृष्टि की सारी व्यवस्था ही गड़बड़ा जाएगी। सबको अनुशासन में रखने वाला परमेर स्वयं नियम व्यवस्था में बंधा है। यदि वह उच्छृंखलता व अव्यवस्था बरतेगा तो फिर उसकी सृष्टि में पूरी तरह अंधेरा फैल जाएगा। फिर कोई उसे न तो न्यायकारी कहेगा और न समदर्शी। भगवान को हम सर्वव्यापक व न्यायकारी समझकर ईश्वर के दंड से डरें। उसका भक्त वत्सल ही नहीं, रौद्र रूप भी है, जो रुग्ण, मूक, बधिर, अंध, अपंगों की दशा देखकर सहज समझा जा सकता है। केवल बंशी बजाने वाले और रास रचाने वाले ईश्वर का ही ध्यान न रखें। उसका एक त्रिशूलधारी रूप भी है, जो दुरात्माओं का दमन व मर्दन करता है। न्यायनिष्ठ जज की तरह ईश्वर को भी भक्त-अभक्त, प्रशंसक-निंदक का भेद किए बिना व्यक्ति के शुभ-अशुभ कर्मो का दंड या पुरस्कार देना होता है। उपासना का उद्देश्य ईश्वर से अनुचित पक्षपात करना नहीं होना चाहिए। वह हमें सत्प्रवृत्तियों में संलग रहने और सत्पथ से विचलित न होने की दृढ़ता प्रदान करे। यही ईश्वर की कृपा का सर्वश्रेष्ठ चि है। आस्तिक या नास्तिक की पहचान तिलक, जनेऊ, कंठी, माला आदि के आधार पर नहीं, वरन भावनात्मक व क्रियात्मक गतिविधियों को देखकर ही होती है। आस्तिक की मान्यता प्राणिमात्र में ईश्वर की उपस्थिति देखती है। इसलिए उसे हर प्राणी के साथ उदारता, आत्मीयता व सेवा सहायता भरा व्यवहार करना पड़ता है। भक्ति का अर्थ है- प्रेम। जो प्रेमी है, वह अपने क्रियतम को सर्वव्यापक देखेगा और सभी से सौम्यतापूर्ण व्यवहार कर भक्ति भावना का परिचय देगा। ईश्वर दर्शन का यही रूप है। हर चर-अचर में छिपे परमात्मा को जो अपनी ज्ञान दृष्टि से देख सका और तदनुरूप कर्त्तव्य निर्धारण कर सका, मानना चाहिए, उसे ईश्वर दर्शन का लाभ मिल गया। अपने में परमेर और परमेर में अपने को देखने की दिव्य दृष्टि जिसे मिल गई, समझो उसने पूर्णता का जीवन लक्ष्य प्राप्त कर लिया है।

प्राकृतिक असंतुलन से आ रहे लगातार भूकंप और तीव्र तूफान?

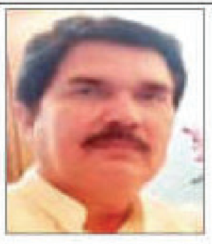

डॉ हिदायत अहमद खान

मानव समाज ने विकास के नाम पर जिस क्रूरता से प्रकृति-प्रदत्त हरे-भरे जंगलों और पर्वत श्रंखलाओं को नष्ट किया है उसके अब दुष्परिणाम सामने आने लगे हैं। मानव ने जंगलों को खत्म कर कंक्रीट के जंगल खड़े किए, बहुतायत में पहाड़ों को समतल किया गया और भूमिगत जल के साथ ही तमाम तरह की खनिज संपदा निकालकर पृथ्वी को अंदर से भी खोखला कर दिया। ये वो प्राकृतिक चीजें हैं जो पृथ्वी के संतुलन को बनाए रखती हैं, जब यही असंतुलित हो गईं तो फिर प्रकृति खुद अपना संतुलन तो बनाएगी ही। इसलिए पिछले कुछ वर्षों में दुनिया के अलग अलग हिस्सों से लगातार भूकंप के झटकों, तीव्र तूफानों, भीषण बारिश, बाढ़ और सुप्त ज्वालामुखियों के सक्रिय होने की खबरें सामने आ रही हैं। इन घटनाओं को केवल संयोग नहीं कह सकते हैं। दरअसल ये पृथ्वी की भूगर्भीय गतिविधियों और तेजी से बिगड़ते प्राकृतिक संतुलन की ओर इशारा कर रही हैं। प्रकृति मानो यह संकेत दे रही है कि वह अपने भीतर जमा दबाव को बाहर निकालने की प्रक्रिया में है, जिसे वैज्ञानिक भाषा में टेक्टोनिक प्लेटों की हलचल और जलवायु परिवर्तन से जोड़कर देखा जाता है। भूगाल की भाषा में कहें तो भूकंप पृथ्वी की आंतरिक प्लेटों के आपसी टकराव, खिसकने या टूटने का परिणाम होते हैं। प्रशांत महासागर का रिंग ऑफ फायर क्षेत्र इसका प्रमुख उदाहरण है, जहां दुनिया के लगभग 90 प्रतिशत भूकंप आते हैं और कई ज्वालामुखी सक्रिय रहते हैं। यह क्षेत्र लंबे समय से भूगर्भीय रूप से संवेदनशील रहा है, लेकिन हाल के वर्षों में इसकी गतिविधियों में तेजी आई है। इसके साथ ही, यूरोप, एशिया और अमेरिका जैसे क्षेत्रों में भी असामान्य भूकंपीय गतिविधियां देखी जा रही हैं, जो पृथ्वी के भीतर बढ़ते असंतुलन का संकेत मानी जा सकती हैं। दूसरी ओर, मौसम संबंधी आपदाएं भी इसी कड़ी का हिस्सा हैं। हाल ही में यूरोप के इबेरियन प्रायद्वीप पर स्टॉर्म लियोनार्डो ने भारी तबाही मचाई। स्पेन और पुर्तगाल में मूसलाधार बारिश और तेज हवाओं के कारण नदियां उफान पर आ गईं, बाढ़ जैसे हालात बने और हजारों लोगों को अपने घर छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। अकेले स्पेन के अंडालूसिया क्षेत्र में 11 हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया, जबकि पुर्तगाल के कई शहरों में आपातकाल लागू करना पड़ा। स्थिति की गंभीरता इस बात से समझी जा सकती है कि लियोनार्डो के गुजरने के बाद भी खतरा टला नहीं है। मौसम विभाग चेतावनी दे चुका है कि मार्ता तूफान तट से टकरा सकता है, जिसकी र तार 100 किलोमीटर प्रति घंटे तक हो सकती है। लगातार बारिश के कारण जमीन पहले ही पानी से संतृप्त हो चुकी है और अब उसमें और पानी समाने की क्षमता नहीं बची है। इसका सीधा असर नदियों के जलस्तर, बांधों और जलाशयों पर पड़ रहा है, जिससे बड़े पैमाने पर बाढ़ और भूस्खलन का खतरा बढ़ने की आशंका भी जताई जा रही है। अंडालूसिया के कोडोर्बा प्रांत में ग्वाडलक्विविर नदी का जलस्तर खतरनाक स्तर तक पहुंच गया, जिसके चलते रिहायशी इलाकों को खाली कराना पड़ा और ऐतिहासिक रोमन ब्रिज पर आवाजाही रोक दी गई। ग्रहजालेमा पर्वतीय क्षेत्र में तो हालात और भी चिंताजनक हैं, जहां च ानें अत्याधिक पानी सोखने पर घुलने लग जाती हैं। इससे जमीन धंसने का खतरा पैदा हो जाता है, जिससे मकानों और सड़कों की सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन जाता है। पुर्तगाल में भी हालात अलग नहीं हैं। साडो नदी के किनारे स्थित अल्कासेर शहर का बड़ा हिस्सा कई दिनों से पानी में डूबा हुआ है। बताया जा रहा, कि लोगों के पास पहनने के कपड़ों के अलावा कुछ नहीं बचा और हजारों नागरिकों को तत्काल सहायता की जरूरत है। टैगस नदी सहित छह प्रमुख नदियों को रेड अलर्ट पर रखा गया है। सरकार ने फरवरी मध्य तक 69 नगरपालिकाओं में आपदा स्थिति बढ़ाने का फैसला किया है, जो इस संकट की व्यापकता को दर्शाता है। ऐसे में साधारणतः यही कहा जाता है कि इन सभी घटनाओं के पीछे जलवायु परिवर्तन की बड़ी भूमिका है। बढ़ता वैश्विक तापमान, अनियंत्रित शहरीकरण, वनों की कटाई और प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन मौसम चक्र को असंतुलित कर रहे हैं। लगातार आने वाले तूफानों की यह 'स्टॉर्म ट्रेन' बताती है कि अब चरम मौसमी घटनाएं अपवाद नहीं, बल्कि नई सामान्य स्थिति बनती जा रही हैं। भूकंप के झटके, तीव्र तूफान और ज्वालामुखीय गतिविधियां यह संकेत देती हैं कि प्रकृति अपने तरीके से संतुलन बनाने की कोशिश

कर रही है। अब सवाल यह है कि क्या मानव समाज इन चेतावनियों को गंभीरता से ले रहा है? केवल आपदा के बाद राहत और बचाव पर ध्यान देना पर्याप्त नहीं होगा। जरूरत है मजबूत बुनियादी ढांचे, बेहतर शहरी नियोजन, वैज्ञानिक चेतावनी प्रणालियों और दीर्घकालिक पर्यावरण संरक्षण नीतियों की। यहां यह नहीं भूलना चाहिए कि प्रकृति के साथ टकराव नहीं, बल्कि सामंजस्य ही मानव सभ्यता की सुरक्षा का एकमात्र रास्ता है। यदि समय रहते संतुलन नहीं साधा गया, तो आने वाले वर्षों में ऐसी आपदाएं और अधिक भयावह रूप ले सकती हैं। प्रकृति के संकेत साफ हैं, अब भी चेत जाने का वक्त है।

ईरान को सबक सिखाने के लिए साम दाम दंड भेद की नीति अपना रहे हैं ट्रंप

नीरज कुमार दुबे

अमेरिका और ईरान के बीच तनातनी चरम पर होने के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक नया कार्यकारी आदेश जारी कर उन सभी देशों पर अतिरिक्त आयात शुल्क लगाने की चेतावनी दी है जो ईरान के साथ किसी भी तरह का व्यापार जारी रखेंगे। आदेश में शुल्क की दर तय नहीं की गई है, पर उदाहरण के तौर पर पच्चीस प्रतिशत का जिक्र है। साफ कहा गया है कि जो भी देश सीधे या परोक्ष रूप से ईरान से सामान या सेवा खरीदेगा, उस पर यह शुल्क लगाया जा सकता है। ट्रंप ने अलग से बयान देते हुए दोहराया कि ईरान को परमाणु हथियार नहीं मिलना चाहिए।

यह कदम ऐसे समय आया है जब ओमान में दोनों देशों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के बीच बातचीत हुई है। कई सप्ताह की बयानबाजी और धमकियों के बाद शुरू हुई यह बातचीत तनाव कम करने की कोशिश मानी जा रही है, पर जमीन पर हालात अब भी तने हुए हैं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने ओमान में वार्ता को अच्छी शुरूआत बताया, लेकिन साथ ही कहा कि अविश्वास का माहौल गहरा है, खासकर इसलिए कि हाल ही में अमेरिका ने इजराइल के साथ मिलकर ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया था। ट्रंप ने भी वार्ता को बहुत अच्छी बताया, पर साथ में चेतावनी जोड़ी कि यदि समझौता नहीं हुआ तो नतीजे बहुत सख्त होंगे।

अमेरिका का कहना है कि वह केवल परमाणु कार्यक्रम नहीं, बल्कि ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम, सशस्त्र समूहों को समर्थन और अपने नागरिकों के साथ व्यवहार जैसे मुद्दे भी बातचीत में शामिल करना चाहता है। दूसरी ओर तेहरान का रुख साफ है कि चर्चा केवल परमाणु कार्यक्रम पर होगी और उसे यूरेनियम संवर्धन का अधिकार मिलना चाहिए। ईरान का दावा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण है और वह हथियार बनाने की कोशिश नहीं कर रहा।

हम आपको बता दें कि इस तनातनी की जड़ें पिछले एक दशक में लिए गए फैसलों में हैं। वर्ष 2015 के परमाणु समझौते के तहत ईरान को सीमित स्तर तक यूरेनियम संवर्धन की अनुमति थी और उस पर सख्त निगरानी थी। बदले में उस पर लगे कई प्रतिबंध हटाए गए थे। लेकिन ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में वर्ष 2018 में इस समझौते से अमेरिका को अलग कर लिया था और कठोर प्रतिबंध फिर लगा दिए थे। तेल निर्यात, जहाजरानी और बैंक तंत्र पर पाबंदियों ने ईरान की अर्थव्यवस्था को भारी चोट दी। जवाब में ईरान ने समझौते की कई शर्तों से आगे बढ़ कर संवर्धन करना शुरू कर दिया।

बीते वर्षों में हालात और बिगड़े। वर्ष 2020 में ईरानी कमांडर कासिम सुलेमानी अमेरिकी हमले में मारे गए, जिससे टकराव खतरनाक स्तर पर पहुंच गया। फिर संयुक्त राष्ट्र में प्रतिबंध फिर लगाने की कोशिशें हुईं। वर्ष 2025 में अमेरिका ने इजराइल के साथ मिलकर ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया, जिसके बाद ईरान ने कतर में एक अमेरिकी ठिकाने पर मिसाइल दागी, हालांकि जान का नुकसान नहीं हुआ। पिछले वर्ष पर्चिमी देशों के प्रयास से संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सैन्य प्रतिबंध फिर लागू हुए।

अब ताजा कदम के तहत अमेरिका ने ईरानी तेल और पेट्रो रसायन से जुड़े पंद्रह संस्थानों और कई जहाजों पर भी प्रतिबंध लगाए हैं। उधर इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सुरक्षा मंत्रिमंडल की बैठक बुलाकर ईरान को चेताया कि किसी भी हमले का जोरदार जवाब मिलेगा। उनका कहना है कि अमेरिका के साथ तालमेल बहुत गहरा है, इसलिए अंतिम फैसला ट्रंप ही करेंगे। ट्रंप ने भी कहा है कि ईरान बातचीत इसलिए कर रहा है क्योंकि वह अमेरिकी हमले से बचना चाहता है और अमेरिकी नौसैनिक बेड़ा इलाके में आगे बढ़ रहा है।

सवाल यह है कि क्या यह पूरी कवायद शांति की राह है या दबाव की राजनीति का नया दौर? ट्रंप का शुल्क हथियार दरअसल आर्थिक घेराबंदी का विस्तार है। संदेश साफ है कि जो ईरान से नाता रखेगा, वह अमेरिकी बाजार से हाथ धो सकता है। यह नीति कई देशों को कठिन दुविधा में डालेगी, खासकर वे देश जो ऊर्जा जरूरतों के लिए ईरानी तेल पर निर्भर हैं। इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार, समुद्री रास्तों की सुरक्षा और पर्ि म एशिया की सामरिक स्थिरता पर सीधा असर पड़ेगा।

सामरिक दृष्टि से यह रस्साकशी खतरनाक है। एक ओर बातचीत चल रही है, दूसरी ओर युद्ध की तैयारी जैसे संकेत दिए जा रहे हैं। बेड़े की तैनाती, मिसाइल की चर्चा और प्रतिबंधों की बौछार मिलकर ऐसा माहौल बनाते हैं जहां एक छोटी चिंगारी भी बड़े संघर्ष में बदल सकती है। ईरान भी झुकने के मूड़ में नहीं दिखता और वह बार बार अपने अधिकार की बात दोहरा रहा है।

बहरहाल, हकीकत यह है कि न तो केवल दबाव से समाधान निकलेगा, न केवल बयान से। यदि दोनों पक्ष सच में टकराव टालना चाहते हैं तो उन्हें भरोसे की बहाली, चरणबद्ध रियायत और स्पष्ट लक्ष्यों की राह पकड़नी होगी। वरना शुल्क, प्रतिबंध और हमले का यह चक्र पूरे इलाके को अस्थिर कर देगा और इसका असर दुनिया की अर्थव्यवस्था और सुरक्षा पर दूर तक जाएगा। अभी भी समय है कि शक्ति प्रदर्शन की जगह समझदारी दिखाई जाए, नहीं तो आने वाले दिन और ज्यादा उथल पुथल लेकर आ सकते हैं।

घाटा मार्ग पर तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नारायणपुर

कस्बे के घाटा सड़क मार्ग पर शनिवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। घटना से क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई, वहीं ग्रामीणों में सड़क सुरक्षा को लेकर आक्रोश भी देखने को मिला। जानकारी के अनुसार बानसूर क्षेत्र के हमीरपुर झींड़ निवासी राजू पुत्र रामप्रसाद गुर्जर वर्ष 2018 से बाईपास स्थित टीवीएस शोरूम पर मैकेनिक के रूप में कार्यरत था। शनिवार सुबह वह एक बाइक की सर्विस के बाद उसे जांचने के लिए घाटा मार्ग पर निकला था। इसी दौरान चोगान मंदिर की ओर से तेज गति से आ रही एक पिकअप ने सामने से उसकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत घायल को निजी वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। हादसे के बाद ग्रामीणों ने बताया कि रैगरों की ढाणी के पास स्पीड ब्रेकर और चेतावनी संकेतक नहीं होने से यह मार्ग हादसों के लिए संवेदनशील बन चुका है। ग्रामीणों ने प्रशासन से सड़क सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है।

एनएसएस के सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ, एडीएम ने छात्राओं को सशक्त व जिम्मेदार नागरिक बनने का दिया संदेश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

कस्बे के डाबला रोड स्थित राजकीय कन्या महाविद्यालय में शनिवार को राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की तीनों इकाइयों के सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ किया गया। उद्घाटन समारोह में एडीएम ओमप्रकाश सहारण मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में सेवा भावना, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास करना रहा। मुख्य अतिथि एडीएम ओमप्रकाश सहारण ने अपने संबोधन में छात्राओं को जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए सशक्त बनने और राष्ट्र सेवा के योग्य श्रेष्ठ नागरिक बनने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में महिलाओं के बहुआयामी व्यक्तित्व विकास की आवश्यकता है, जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विद्यार्थी जीवन में लक्ष्य पर फोकस, निरंतर अभ्यास, तकनीकी दक्षता और कौशल विकास को सफलता का आधार बताया। विशिष्ट अतिथि प्रो. अशोक सिंह चौहान ने छात्राओं को सेवा भावना, नेतृत्व गुण और विपरीत परिस्थितियों में समन्वय कौशल विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने नशा मुक्त भारत के निर्माण और सोशल मीडिया के संतुलित उपयोग पर जोर देते हुए लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की बात कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य प्रो. आर.पी. गुर्जर ने कहा कि सशक्त युवतियां ही सशक्त भारत और सशक्त समाज की नींव होती हैं। उन्होंने बताया कि एनएसएस जैसी सह-शैक्षणिक गतिविधियां छात्राओं के व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ सामाजिक चेतना को भी मजबूत करती हैं। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी व महाविद्यालय संयोजक डॉ. जे.आर. गुर्जर ने शिविर की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि सात दिवसीय शिविर के दौरान महाविद्यालय द्वारा गोद लिए गए तीन गांवों में छात्राएं स्वच्छता, स्वास्थ्य, पोषण, जागरूकता और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी गतिविधियां संचालित करेंगी। महिला नीति संयोजक प्रो. कमलेश यादव ने राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी देते हुए छात्राओं से आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया। इस अवसर पर प्रो. यामिनी यादव, डॉ. प्रिया खंगरावत, प्रो. भावना चौधरी, प्रो. बिशंबर दयाल, प्रो. विमल यादव, प्रो. मनोज कुमार, प्रो. प्रतिभा पोसवाल, प्रो. चन्द्रप्रभा, ओमप्रकाश कपूरिया सहित महाविद्यालय स्टाफ और स्वयंसेविकाएं उपस्थित रहीं।

लोहार्गल वेंकटेश बालाजी मंदिर में फागोत्सव कल खेली जाएगी गुलाल व फूलों की होली

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा उदयपुरवाटी

निकटवर्ती धार्मिक तीर्थ स्थल लोहार्गल धाम में स्थित सिद्ध पीठ श्री वेंकटेश बालाजी मंदिर परिसर में कल 8 फरवरी को फागोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा वेंकटेश बालाजी मंदिर में आयोजित होने वाले फागोत्सव को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही है वेंकटेश बालाजी मंदिर के श्री श्री 1008 वेंकटेश लोहार्गल पीठाधीश्वर स्वामी अश्विनी आचार्य महाराज ने संवाददाता को जानकारी देते हुए बताया कि फागोत्सव के दौरान ही मंदिर परिसर में गुलाल व फूलों से मिश्रित भगवान का श्रृंगार भी किया जाएगा अश्विनी आचार्य महाराज के अनुसार कल 8 फरवरी को सुबह भगवान की अर्चना होगी , महा आरती का आयोजन किया जाएगा,जोत जलेगी एवं शेखावाटी के सुप्रसिद्ध भजन गायक्करों द्वारा भजनों की रसगंगा प्रवाहित की जाएगी महाराज श्री के अनुसार फागोत्सव के दौरान ही मंदिर परिसर में रंगो एवं फूलों की होली खेली जाएगी आपको बता दें कि प्रतिवर्ष मंदिर परिसर में आयोजित होने वाले फागोत्सव में शेखावाटी के कोने-कोने से श्रद्धालु आकर भाग लेते हैं मंदिर परिसर में फागोत्सव के दौरान ही भंडारे का भी आयोजन होगा जिसमें श्रद्धालु प्रसादी ग्रहण करेंगे

सकरायधाम में होगा फागुन महोत्सव का आयोजन

दो दिवसीय महोत्सव का आयोजन 23 और 24 फरवरी को

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा उदयपुरवाटी

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी माँ शाकंभरी सेवा समिति सकरायधाम (रजी.) के तत्वावधान में धार्मिक तीर्थ स्थल सकरायधाम में फागुन महोत्सव का आयोजन किया जाएगा, यह आयोजन 23 और 24 फरवरी 2026 को आयोजित किया जाएगा। समिति के अध्यक्ष राजेश धानुका, अहमदाबाद ने बताया कि इस वर्ष भी 23 फरवरी को सकरायधाम में मंगलपाठ का आयोजन किया जाएगा, मंगलपाठ के साथ-साथ चुनरी उत्सव, मेहंदी उत्सव, मैया का खजाना, महाप्रसाद आदि कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएगे। इसी तरह 24 फरवरी 2026 अष्टमी को सुबह मैया को सिरा पुरी का भोग लगाकर उदयपुरवाटी से सकरायधाम तक मैया रथ और ढोल नगाड़े के साथ पैदल ध्वज यात्रा का आयोजन किया जाएगा

नींबू की ढाणी में किसान-लेपर्ड मुठभेड़: 15 मिनट के संघर्ष में किसान की जान बची, मादा लेपर्ड की मौत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नारायणपुर

उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत खरकड़ी कलां स्थित नींबू की ढाणी में शनिवार सुबह एक सनसनीखेज घटना सामने आई, जब खेत में चारा लेने गए एक किसान पर झाड़ियों में छिपे लेपर्ड ने हमला कर दिया। करीब 15 मिनट तक चले इस संघर्ष में किसान ने साहस और सूझबूझ से आत्मरक्षा करते हुए अपनी जान बचा ली, जबकि संघर्ष के दौरान मादा लेपर्ड की मौत हो गई। हमले में गंभीर रूप से घायल किसान को प्राथमिक उपचार के बाद अलवर रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार नायाली की ढाणी निवासी श्रवण गुर्जर (48) सुबह करीब सात बजे अपने खेत में बकरियों के लिए चारा लेने पहुंचे थे। उसी समय झाड़ियों में छिपे लेपर्ड ने अचानक उन पर हमला कर दिया। अचानक हुए इस हमले से किसान संभल भी नहीं पाए और संघर्ष शुरू हो गया। लंबे समय तक चले संघर्ष के दौरान किसान ने पास में मौजूद कुल्हाड़ी से आत्मरक्षा की, जिससे लेपर्ड घायल हो गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। बाद में पता चला कि मृत लेपर्ड लगभग 10 माह की मादा थी। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायल अवस्था में श्रवण गुर्जर को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए अलवर रेफर कर दिया। ग्रामीणों ने बताया कि किसान पूरी तरह आत्मरक्षा की स्थिति में था और यदि वह साहस न दिखाता तो बड़ा हादसा हो सकता था। सूचना पर वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची। फोरेस्टर मनोज नागा ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और बताया कि मृत लेपर्ड के सिर और पिछले पैर पर चोट के निशान मिले हैं। मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराने के बाद तालवृक्ष रेंज में नियमानुसार लेपर्ड का अंतिम संस्कार कर दिया गया। फिलहाल इस मामले में किसी के खिलाफ कोई प्रकरण दर्ज नहीं किया गया है। घायल किसान के परिजनों और ग्रामीणों ने वन विभाग व प्रशासन से आर्थिक सहायता देने की मांग की है। उनका कहना है कि यह घटना पूरी तरह आकस्मिक थी और किसान ने केवल अपनी जान बचाने के लिए कदम उठाया। ऐसे में किसान के खिलाफ किसी भी तरह की कानूनी कार्रवाई नहीं होनी चाहिए। मौके पर पहुंचे जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने भी पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग उठाई। बताया गया कि श्रवण गुर्जर खेती और बकरी पालन कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं। उनके दो बेटे और एक बेटी हैं। एक बेटा अलवर में पढ़ाई करता है, जबकि दूसरा नीमराणा में कार्यरत है। घटना के समय दोनों बेटे घर से बाहर थे। श्रवण चार भाइयों में तीसरे नंबर पर हैं और सभी भाई खेती से जुड़े हुए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही उनके भाई और बड़ी संख्या में ग्रामीण अस्पताल पहुंचे। इस घटना के बाद क्षेत्र में वन्यजीवों की बढ़ती आवाजाही को लेकर चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से खेतों और आबादी के आसपास सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है।

बहरोड़ छज्जा हादसे के बाद नगर परिषद सख्त, 42 जर्जर मकान मालिकों को नोटिस

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बहरोड़

खटिकों के मोहल्ले में मकान का छज्जा गिरने से हुए दर्दनाक हादसे के बाद नगर परिषद प्रशासन हरकत में आ गया है। इस हादसे में रतनलाल प्रजापत की मौत हो गई थी, जबकि उनके दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घटना के बाद नगर परिषद ने शहर में जर्जर भवनों के खिलाफ सख्ती शुरू करते हुए कार्रवाई तेज कर दी है। पिछले दो दिनों में नगर परिषद की ओर से शहर के 42 मकान मालिकों को नोटिस जारी किए गए हैं। नगर परिषद कमिश्नर नूर मोहम्मद ने बताया कि ये नोटिस पुराने और जर्जर मकानों के छज्जे गिरने अथवा भवन की खराब स्थिति को लेकर दिए गए हैं। सभी मकान मालिकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे तुरंत मरम्मत या आवश्यक सुरक्षा उपाय करें, ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे को रोका जा सके। 4 फरवरी को सुबह करीब 8:20 बजे जिस जर्जर मकान का छज्जा गिरा था, उस मकान के परिवार को भी नोटिस दिया गया। नोटिस मिलने के बाद मकान मालिकों ने जेसीबी की मदद से स्वयं ही जर्जर मकान को ध्वस्त कर दिया। इसके साथ ही खटिकों की वर्षों पुरानी धर्मशाला को भी गिरा दिया गया, जिसे लंबे समय से जर्जर बताया जा रहा था। नगर परिषद प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शहर में ऐसे सभी भवनों की पहचान की जा रही है, जो आमजन के लिए खतरा बने हुए हैं। वहीं स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि यदि समय रहते कार्रवाई होती, तो यह हादसा टल सकता था। नागरिकों ने नियमित सर्वे कर पहले ही जर्जर भवनों पर कार्रवाई की मांग की है।

एडीएम ने अनुसूचित जाति बालिका छात्रावास निर्माण कार्य का किया निरीक्षण, समयबद्ध पूर्णता के निर्देश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश सहारण ने शनिवार को राजकीय महाविद्यालय स्तरीय अनुसूचित जाति बालिका छात्रावास के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। 50 बालिकाओं की आवासीय क्षमता वाले इस छात्रावास के निर्माण की प्रगति का जायजा लेते हुए उन्होंने कार्य में गुणवत्ता और समयबद्धता पर विशेष जोर दिया। निरीक्षण के दौरान एडीएम ने निर्माण स्थल पर उपयोग में ली जा रही सामग्री का सूक्ष्म परीक्षण किया और स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्य गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने संवेदक को निर्माण कार्य को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए तथा कार्यकारी एजेंसी राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड के अधिकारियों को निर्माण की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने को कहा। एडीएम ओमप्रकाश सहारण ने कहा कि यह छात्रावास अनुसूचित जाति वर्ग की बालिकाओं के लिए उच्च शिक्षा में सहायक सिद्ध होगा। सरकार की मंशा है कि छात्राओं को सुरक्षित एवं सुविधाजनक आवास उपलब्ध कराया जाए, ताकि वे बिना किसी बाधा के अपनी पढ़ाई पूरी कर सकें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी स्तर पर अनावश्यक देरी न हो और कार्य को अविलंब गति प्रदान की जाए। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों ने एडीएम को निर्माण कार्य की प्रगति से अवगत कराया। जानकारी दी गई कि इस छात्रावास के निर्माण के लिए 280 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। कार्य की शुरुआत 6 सितंबर 2025 को की गई थी और इसे लगभग एक वर्ष की अवधि में पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वर्तमान में निर्माण कार्य निर्धारित योजना के अनुसार प्रगति पर बताया गया। एडीएम ने यह भी कहा कि छात्रावास का निर्माण पूर्ण होने के बाद क्षेत्र की छात्राओं को इसका सीधा लाभ मिलेगा और उच्च शिक्षा में उनकी भागीदारी बढ़ेगी। निरीक्षण के दौरान राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. आर. पी. गुर्जर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

पूर्व विधायक की गिरफ्तारी पर विधायक जसवंत यादव का बयानः बोले- जनता का पैसा खाने वालों को सजा जरूर मिलेगी, ईडी के फैसले का इंतजार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बहरोड़

ईडी द्वारा पूर्व विधायक बलजीत यादव की गिरफ्तारी को लेकर बहरोड़ विधायक डॉ. जसवंत यादव ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि जब किसी व्यक्ति की चोरी सामने आ जाती है तो वह अनर्गल बयानबाजी पर उतर आता है। ऐसे लोगों की मानसिक स्थिति संतुलित नहीं रहती और वे तथ्यहीन आरोप लगाने लगते हैं। विधायक ने साफ कहा कि जांच एजेंसियां अपना काम कर रही हैं और ईडी के फैसले का इंतजार किया जाना चाहिए। विधायक डॉ. जसवंत यादव ने कहा कि ईडी की कार्रवाई अभी जारी है और अंतिम फैसले आना बाकी हैं। ईडी का निर्णय बेहद सख्त होता है और उसके बाद ही यह तय होगा कि संबंधित व्यक्ति राजनीति में रहने योग्य है या नहीं। उन्होंने कहा कि केवल आरोप-प्रत्यारोप और गाली-गलौज से राजनीति नहीं चलती। जिन लोगों ने जनता का पैसा खाया है, उन्होंने अपने कृत्य खुद स्वीकार किए हैं और ऐसे लोगों को कानून के तहत सजा जरूर मिलेगी। कोई भी ताकत उन्हें बचा नहीं सकती। उन्होंने विशेष रूप से कोरोना काल का जिक्र करते हुए कहा कि उस कठिन समय में विकास कार्यों के लिए आए धन का दुरुपयोग किया गया, जो बेहद गंभीर अपराध है। जनता के पैसों से खिलवाड़ करने वालों को सजा मिलना तय है और कानून अपना रास्ता जरूर बनाएगा। दरअसल, विधायक डॉ. जसवंत यादव शनिवार को बहरोड़ के नारनौल रोड स्थित अपने कार्यालय पर जनसुनवाई कर रहे थे। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग अपनी व्यक्तिगत और सार्वजनिक समस्याएं लेकर पहुंचे। विधायक ने पुलिस और प्रशासन के सहयोग से कई मामलों का मौके पर ही समाधान करवाया, जिससे लोगों को राहत मिली। जनसुनवाई के दौरान विधायक ने क्षेत्र में चल रहे और प्रस्तावित विकास कार्यों की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि क्षेत्र के प्रत्येक गांव की जरूरतों को पूरा करना उनका प्रमुख लक्ष्य है। स्पेशल कोटे से 5 करोड़ 72 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है, जिससे नालियों, सड़कों और कॉलेजों के निर्माण कार्य तेजी से शुरू हो चुके हैं। आईटीआई और मांढण क्षेत्र में कॉलेज निर्माण कार्य प्रगति पर है, जबकि बर्डोद में जमीन विवाद का शीघ्र निपटारा कर निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। खापरिया क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई भी लगातार जारी है। विधायक ने बहरोड़ में बस स्टैंड निर्माण को लेकर भी अहम जानकारी दी। उन्होंने बताया कि निर्माण में लापरवाही के चलते पुरानी एजेंसी का ठेका सात दिन का नोटिस देकर निरस्त कर दिया गया है और नई संस्था को कार्य सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही नारनौल-अलवर सड़क को फोरलेन करने और माजरी रोड सहित अन्य प्रमुख सड़कों के निर्माण की मांग सरकार के समक्ष रखी गई है। आगामी पंचायती राज चुनावों को लेकर विधायक ने कहा कि जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं, वैसे-वैसे टिकट मांगने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। जनसुनवाई के दौरान भी बड़ी संख्या में लोगों ने टिकट की मांग रखी है, जिसे पार्टी और संगठन के स्तर पर तय प्रक्रिया के अनुसार देखा जाएगा।

विराट हिंदू सम्मेलन रविवार को, निमंत्रण पत्रों का वितरण

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

कस्बे के डाबला रोड काशीपुरम स्थित ओम नमः शिवाय सीनियर सेकेंडरी स्कूल मैदान, शिवाजी बस्ती में रविवार 08 फरवरी को विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। आयोजन को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और शनिवार को बैठक आयोजित कर कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई। साथ ही कस्बे व आसपास के क्षेत्रों में निमंत्रण पत्रों का वितरण किया गया, जिससे लोगों में उत्साह देखने को मिला। पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष व भाजपा नेता कमल सैनी ने बताया कि सम्मेलन का उद्देश्य हिंदू समाज में जागरण की भावना को सशक्त करना और सनातन संस्कृति व सामाजिक एकता के संदेश को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और आपसी समरसता को मजबूती मिलती है। सम्मेलन में विभिन्न संत-महंतों के आशीर्वचन होंगे, जो समाज को नैतिक मूल्यों और संस्कृति संरक्षण का संदेश देंगे। सम्मेलन से पूर्व रविवार को हिंदू सम्मेलन यात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा प्रातः 11.30 बजे श्याम मंदिर के मुख्य द्वार से प्रारंभ होकर कृष्ण महिला छात्रावास, रूपचंद का बाग, मानसी विहार स्थित राधा कृष्ण मंदिर, चंद्रदास कॉलोनी के दुर्गा माता मंदिर, कुमावत ट्रेंडिंग और डाबला रोड होते हुए काशीपुरम गेट से प्रवेश करेगी। इसके बाद हनुमान और शिव मंदिर से गुजरते हुए यात्रा ओम नमः शिवाय स्कूल परिसर पहुंचेगी, जहां मुख्य सम्मेलन आयोजित होगा। बैठक के दौरान हिंदू सम्मेलन समिति शिवाजी बस्ती की कार्यकारिणी का गठन भी किया गया। समिति में विभिन्न सामाजिक कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है, ताकि आयोजन को सफल बनाया जा सके। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर सम्मेलन में भाग लेने और आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

श्याम संकीर्तन डुंगावाले बालाजी का द्वितीय वार्षिकोत्सव 28 फरवरी को

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

कस्बे में स्थित डुंगावाले बालाजी मंदिर में श्याम संकीर्तन के द्वितीय वार्षिकोत्सव का आयोजन आगामी 28 फरवरी को भव्य रूप से किया जाएगा। आयोजन को लेकर शनिवार को मौहल्ला बड़ाबास स्थित डुंगावाले हनुमान जी मंदिर प्रांगण में कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई, जिसमें कार्यक्रम की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान मंदिर महंत मनीष शर्मा के सान्निध्य में द्वितीय वार्षिकोत्सव समारोह के पोस्टर का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम संयोजक संतोष मीणा ने बताया कि वार्षिकोत्सव के अवसर पर 28 फरवरी को प्रातः 9 बजे भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया जाएगा। यह कलश यात्रा मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः मंदिर परिसर में संपन्न होगी। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है, जिससे पूरे नगर में धार्मिक वातावरण बनेगा। उन्होंने बताया कि आयोजन के तहत मंदिर प्रांगण को विशेष रूप से सजाया जाएगा और बाबा का भव्य दरबार सजाया जाएगा। रात्रि 8 बजे से श्याम बाबा एवं बालाजी महाराज का भव्य संकीर्तन आयोजित होगा, जिसमें श्रद्धालु भजनों और संकीर्तन के माध्यम से अपनी आस्था प्रकट करेंगे। आयोजकों के अनुसार संकीर्तन कार्यक्रम देर रात तक चलेगा और इसमें क्षेत्र के साथ-साथ आसपास के गांवों से भी श्रद्धालु पहुंचेंगे। बैठक में आयोजन की व्यवस्थाओं को लेकर विभिन्न जिम्मेदारियां कार्यकर्ताओं को सौंपी गईं। इस अवसर पर रामकुंवार पायला, घनश्याम शर्मा, विनोद जोशी, रघुवीर मीणा, जिलेंद्र पायला, जितेंद्र जोशी, सोनू लाडला, विश्वनाथ सोनी, सीताराम अग्रवाल, कुंदन मीणा, बलबीर पायला, अक्षय गुप्ता, मोनू स्वामी, राकेश अग्रवाल, हरदान पायला, रोहिताश भगत, लाला मीणा, नाहरसिंह पायला, महेश पायला, विनोद भट्ट, हंसराज पायला, रामनिवास जांगिड़, रामानंद सैनी, विजय सोनी, दया पायला सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। आयोजकों ने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

बीईटी टीएटीसी में स्किल फेस्ट का भव्य समारोह

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा पिलानी

बिरला शिक्षण संस्थान के नेतृत्व में एक सप्ताह से नियमित एजुकेशन ट्रस्ट आर्ट एंड ट्रेनिंग सेंटर में स्किल फेस्ट में चल रही 11 वर्कशॉप्स की प्रदर्शनी 6 फ़रवरी को 3 बजे लगाई गई व ततुप्रांत 330 बी ई टी स्कूलों के विद्यार्थीओं के लिए पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि BET के निदेशक मेजर जनरल एस एस नायर व गेस्ट ऑफ़ ऑनर BET के निदेशक प्रोफेसर सुधीर बराई का स्वागत BET-TATC के इंचार्ज विक्रमजीत सिंह अरोड़ा ने पुष्प गुच्छ देकर किया । 330 विद्यार्थीओं के द्वारा सीखे गए विभिन्न स्किल से बनाए इनोवेटिव प्रोजेक्ट्स की सभी ने भरपूर प्रशंसा की । मुख्य अतिथि ने प्रदर्शनी देख सभीं विद्यार्थियो व अध्यापकों का प्रोहत्साहन बढ़ाया । प्रोग्राम का संचालन करते हुए इंचार्ज विक्रमजीत सिंह ने BET-TATC के इनोवेशन हब में चल रही स्किल डेवलपमेंट क्रियाओं व उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। जिसमे मुख्यतः TATC द्वारा जुलाई 2025 में शुरू किए BET हुनर इंडिया डिजिटल स्किल पोर्टल का जिक्र रहा । BET हुनर इंडिया पर 1355 BET पिलानी स्कूलों के छात्र रजिस्ट्रेशन कर चुके हैं और अब तक 362 छात्रों को हुनर इंडिया कोर्स पूरा करने पर द्धद्धष्ठ (इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंडस्ट्रियल डेवीपोमेंट) से सर्टिफिकेट भी मिल चूका है 7 लखनऊ से आये निर्देशक लेखक़ व एक्टर संगम बहुगुणा जिन्होंने बॉलीवुड मूवी यंगिस्तान में भी मुख्य विलेन का रोल किया है और विकास श्रीवास्तव जिन्होंने दूरदर्शन और सहारा वन चैनल में कई सोप सीरियल किए हैं ने विद्यार्थीयो को एक मनमोहक नाटक् ' गज फुट इंच ' के लिए थिएटर वर्कशॉप में तैयार कराया और समापन समारोह पर प्रस्तुति की । यह इस कार्यक्रम का मुख्य केंद्र रहा । हअन्य 10 प्रतियोगिताओं (बाटिक आर्ट, ए आई रोबो, मैक्रेम आर्ट, थर्मोकोल स्कल्पचर, बेस्ट यूज ऑफ़ ई वेस्ट, नख कला, ड्रोन, स्टिल लाइफ पेंटिंग, रेसिन आर्ट, सॉफ्ट टॉय क्राफ्ट) में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत करने के लिए प्रिंसिपल बिरला पब्लिक स्कूल पिलानी काजल मारवाह , अचला वर्मा प्रिंसिपल बिरला बालिका विद्यापीठ , प्राचार्य पवन वशिष्ठ प्रिंसिपल बिरला शिशु विहार , प्राचार्य धीरेंद्र सिंह प्रिंसिपल बिरला स्कूल पिलानी , शोभा वर्मा एडमिन हेड बाल निकेतन ने भी मुख्य अतिथि के साथ मंच सांझा किया । ओवरऑल बेस्ट स्कूल ट्रॉफी ' का विजेता बिरला पब्लिक स्कूल रहा जबकि द्वित्य पुरस्कार बिरला बालिका विद्यापीठ के नाम रहा। इस कार्यक्रम में सभी बी इ टी अधिकारी व स्कूलों के शिक्षक भी मौजूद रहे।

मन को शांत करता है भ्रामरी प्राणायाम

मन को शांत कर तनाव और अवसाद दूर करने में बहुत फायदेमंद आसन है भ्रामरी प्राणायाम। भ्रामरी प्राणायाम करते समय भ्रमर अर्थात भंवरे जैसी गुंजन होती है, इसी कारण इसे भ्रामरी प्राणायाम कहते हैं। भ्रामरी प्राणायाम से जहां मन शांत होता है वहीं इसके नियमित अभ्यास से और भी बहुत से लाभ प्राप्त किए जा सकते हैं।

कैसे करें यह आसन

भ्रामरी प्राणायाम करने के लिए सुखासन, सिद्धासन या पद्मासन में बैठकर सबसे पहले दोनों हाथों की अंगुलियों में से अनामिका अंगुली से नाक के दोनों छिद्रों को हल्का सा दबाकर रखें। फिर तर्जनी को पाल पर, मध्यमा को आंखों पर, सबसे छोटी अंगुली को होठ पर और अंगुठे से दोनों कानों के छिद्रों का बंद कर दीजिए। फिर सांस को धीमी गति से गहरा खींचकर अंदर कुछ देर रोककर रखें और फिर उसे धीरे-धीरे आवाज करते हुए नाक के दोनों छिद्रों से निकालें। सांस छोड़ते वक्त अनामिका अंगुली से नाक के छिद्रों को हल्का सा दबाएं जिससे कंपन उत्पन्न होगा। जोर से पूरक करते समय भंवरी जैसी आवाज और फिर रेचक करते समय भी भंवरी जैसी आवाज उत्पन्न होनी चाहिए। पूरक का अर्थ सांस अंदर लेना और रेचक का अर्थ सांस बाहर छोड़ना।

इस आसन के फायदे

भ्रामरी प्राणायाम करने से मन शांत होता है और तनाव दूर होता है। इस ध्वनि के कारण मन इस ध्वनि के साथ बंध सा जाता है, जिससे मन की चंचलता समाप्त होकर एकाग्रता बढ़ने लगती है। यह मस्तिष्क के अन्य रोगों में भी लाभदायक है।

इसके अलावा यदि किसी योग शिक्षक से इसकी प्रक्रिया ठीक से सीखकर करते हैं तो इससे हृदय और फेफड़े मजबूत बनते हैं। उच्च-रक्तचाप सामान्य होता है। हकलाहट तथा तुतलाहट भी इसके नियमित अभ्यास से दूर होती है। इससे पर्किन्सन, लकवा, इत्यादि स्नायुओं से संबंधी सभी रोगों में भी लाभ पाया जा सकता है।

बरतें थोड़ी सावधानी

भ्रामरी प्राणायाम को लेटकर नहीं किया जाता है। नाक या कानों में किसी प्रकार का संक्रमण होने कि स्थिति में यह अभ्यास ना करें। नहीं तो संक्रमण बढ़ सकता है। भ्रामरी प्राणायाम को शांत माहौल में ही करें, ताकि आप निकलने वाली आवाज हो आसानी से महसूस कर सकें।

फेसबुक फ्रेंड वजन घटाने में मददगार

ये युग टेक प्रेमियों का है और इसमें सोशल नेटवर्किंग साइट्स का महत्वपूर्ण स्थान है। फेसबुक इन साइट्स में सबसे अव्वल है। इन सोशल साइट्स का हमारे जीवन में खासा दखल है और ये हमें कई प्रकार से प्रभावित भी करती हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि फेसबुक फ्रेंड से भावनात्मक जुड़ाव आपका अतिरिक्त वजन कम करने में काफी मददगार साबित हो सकता है।

सर्दी जुकाम में लाभप्रद है तुलसी

सर्दी जुकाम होने पर तुलसी की पत्तियों को चाय में उबालकर पीने से राहत मिलती है। तुलसी का अर्क तेज बुखार को कम करने में भी कारगर साबित होता है। करीब सभी कफ सीरप को बनाने में तुलसी का इस्तेमाल किया जाता है। तुलसी की पत्तियां कफ साफ करने में मदद करती हैं। तुलसी के कोमल पत्तों को चबाने से खांसी और नजले से राहत मिलती है।

काम के साथ आंखों का रखें ख्याल

वर्तमान दिनचर्या में कंप्यूटर के बिना काम करना शायद असंभव है, लोग घंटों कंप्यूटर के सामने बैठकर काम करते हैं। घंटों कंप्यूटर के सामने बैठने के कारण इससे निकलने वाली नीली रोशनी से सबसे अधिक नुकसान आंखों को होता है। इसके कारण आंखों की रोशनी कम होती है। इसके अलावा लगातार कम्प्यूटर पर काम करने से आंखों में थकान, धुंधला दिखाई देना, सिर में दर्द और आंखों के आसपास काले घेरे की समस्या आम बात है। ड्राई आई सिंड्रोम भी घंटों कंप्यूटर के प्रयोग के कारण होती है। इसलिए काम के साथ-साथ आंखों का भी ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

अंधेरे में काम न करें

कंप्यूटर पर काम कर रहे हैं तो ध्यान रखें कि जिस कमरे में आप हों वहां पर अंधेरा या कम रोशनी न हो। आपके कमरे की रोशनी कंप्यूटर स्क्रीन से निकलने वाली रोशनी से कम न हो। अगर कमरे में अंधेरा होगा या कमरे की रोशनी कम होगी तो कंप्यूटर से निकलने वाली किरणें आंखों को अधिक प्रभावित करेंगी। कंप्यूटर से आंखों की दूरी काम करते वक्त अपनी कुर्सी की ऊंचाई को कम्प्यूटर के हिसाब से ही रखें। कंप्यूटर को अपनी आंखों से 30 सेमी की दूरी पर रखें।

पलकों को झपकाते रहें

काम के दौरान पलकों को झपकाते रहें, इससे आंखों की नमी बरकरार रहेगी और आंखों सूखेंगी नहीं। लंबे समय तक पलक नहीं झपकाने से आंखों से पानी बहने लगता है।

काम के बीच ब्रेक लें

अगर आप लगातार कंप्यूटर पर काम कर रहे हैं तो बीच-बीच में ब्रेक लेते रहें। कोशिश करें कि 30-40 मिनट के बाद अपनी नजर को दूर किसी वस्तु पर ले जाएं, अपने से लगभग 20 फिट की दूरी पर दूसरी वस्तु को देखें। एक घंटे तक काम करने के बाद 10 मिनट के लिए कंप्यूटर की स्क्रीन बंद कर दें।

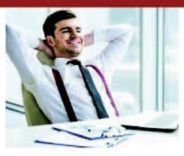

हेल्दी स्नैक लेते रहें

आंखों को स्वस्थ रखने के लिए स्वस्थ आहार का सेवन बहुत जरूरी है। खाने में विटामिन ए, ई और सी को जरूर शामिल करें। ये आंखों के लिए आवश्यक हैं। दूध और दूध से बने पदार्थ, हरी पत्तेदार सब्जियां, अंडा, पपीता, गाजर विटामिन ए के अच्छे स्रोत हैं, इनको अपने आहार में शामिल करें। काम के बीच में भी स्वस्थ और विटामिन युक्त हेल्दी स्नैक लेते रहें।

आंखों के व्यायाम

काम के बीच में आंखों में थकान हो जाती है, इससे बचाने के लिए काम के दौरान ही आंखों के व्यायाम कीजिए। अपनी हथेली और उंगली से आंखों को बंद करके उनपर मालिश करें। बीच-बीच में आंखों की पुतलियों को चारों ओर घुमाएं। इससे आंखों को आराम मिलता है। बीच-बीच में पानी के छींटे भी मार सकते हैं। आंखों को स्वस्थ रखने के लिए भरपूर नींद जरूरी है, कम से कम आठ घंटे की नींद लें, आंखों में अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पादों का ही प्रयोग करें। अपनी आंखों की नियमित रूप से जांच कराएं।

भोजन के समय पानी पीने के नुकसान

यूं तो पानी पीना एक अच्छी आदत है। किसी भी रोग को दूर भगाने के लिए पानी एक रामबाण इलाज है। लेकिन क्या आपको पता है खाना खाते समय पानी पीना कितना हानिकारक है आपके स्वास्थ के लिए? इसका सीधा असर आपकी पाचन शक्ति पर होता है। कभी भी खाना खाने के आधे घंटे या 1 घंटे तक पानी नहीं पीना चाहिए।

क्यों न पीएं भोजन के दौरान पानी

भोजन के समय पानी पीने से यह पेट की सतह द्वारा सोख लिया जाता है। यह प्रक्रिया तब तक चलती रहती है जब तक कि पेट में पाचन के लिए जरूरी द्रव्य इतने अधिक गाढ़े न हो जाएं कि वे भोजन को पचा सकें। लेकिन खूब सारे पानी पीने के कारण यह द्रव्य पेट में मौजूद भोजन से भी अधिक गाढ़ा हो चुका होता है, ऐसे में भोजन पचाने के लिए पेट में गैस्ट्रिक जूस बनना शुरू हो जाता है। परिणाम स्वरूप भोजन नहीं पचता और सीने में जलन होती है।

महत्वपूर्ण बातें

- यदि भोजन सादा हो तो भोजन के समय पानी न पीना लाभकारी होता है। लेकिन जब भोजन अधिक तीखा, मिर्च-मसालेदार, नमकीन, खट्टा हो तो पानी पीना आवश्यक है, ऐसे में पानी पीने से आपके शरीर को कोई नुकसान नहीं होगा।
- इसके विपरीत यदि भोजन प्राकृतिक हो और भोजन को अच्छी तरह से चबा-चबाकर खाते हैं तो भोजन के बीच पानी पीने की कोई आवश्यकता नहीं होती।
- तीखा या चटपटा भोजन करते समय ध्यान रखें कि प्यास लगने पर एक या दो घूंट पानी ही पीएं। ज्यादा पानी से पाचन सही से नहीं हो पाता है।
- भोजन करते समय अगर आपको खांसी आती हो और भोजन के बीचमें पानी पीने की जगह दूध, मट्ठा व दही का सेवन करें। इससे आपका भोजन सही से पच सकेगा।
- सर्दियों के मौसम में ठंडा पानी पीने से बचें क्योंकि इस मौसम में आपकी पाचन शक्ति काफी कमजोर होती है।
- भोजन के बीच में पानी पीने से शरीर में इंसुलिन का स्तर बढ़ जाता है।
- भोजन के बाद एक कप गर्म पानी पीने से आपकी पाचन शक्ति ठीक रहती है और खाने को पचने में मदद मिलती है।
- अगर आप खाने के साथ अन्य कोई पेय पदार्थ जैस कोल्ड ड्रिंक य दूध लेते हैं तो यह आपके पाचन शक्ति के लिए ठीक नहीं हैं। क्योंकि खाना खाने के साथ यह पेय पदार्थ भी कुछ हद तक वैसा ही काम करते हैं जैसा कि पानी।

कुल मिलाकर पानी पीना सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है, लेकिन दिन में पानी तो आप खूब पिएं लेकिन भोजन के साथ ज्यादा पानी न पिएं। आप सुबह उठकर खूप पानी पी सकते हैं, या दिन में थोड़ा-थोड़ा कर 3 से 4 लीटर पानी पी सकते हैं।

डिलीवरी के बाद महिलाओं में होते हैं ये बदलाव

जैसे कि गर्भावस्था के दौरान महिलाओं में शारीरिक और मानसिक परिवर्तन होते हैं ठीक उसी प्रकार प्रसव के बाद भी महिला के शरीर में कई बड़े बदलाव आते हैं, विशेषकर पहले हफ्ते में। प्रसव के बाद महिलाओं के शरीर में बदलाव होना स्वाभाविक है। कुछ महिलाएं गर्भधारण के शुरूआत से ही अपना पूरा ख्याल रखती हैं, ऐसी महिलाओं के शरीर में प्रसव के बाद काफी कम बदलाव होते हैं। कई बार ऐसा लगता है कि यह महिला गर्भवती हुई ही नहीं थी। जबकि कई महिलाओं के शरीर में काफी ज्यादा बदलाव देखने को मिलते हैं। फिर भी आमतौर पर प्रसव के बाद महिलाओं के शरीर में छोटे-छोटे बदलाव तो जरूर होते हैं।

त्वचा में बदलाव

बच्चे के जन्म के बाद जिन महिलाओं की त्वचा रूखी होती है, उनकी त्वचा पहले से और भी अधिक रूखी हो जाती है। गर्भावस्था में स्तन, पेट और जांघों की त्वचा खिंच जाती है। इस खिंचाव के कारण महिलाओं के शरीर की त्वचा पर हल्के रंग के दाग दिखाई पड़ने लगते हैं।

वजन बढ़ना

गर्भावस्था की अवधि के दौरान लगभग सभी महिलाओं का वजन बढ़ जाता है। प्रसव के बाद भी महिलाओं का वजन अधिक ही बना रहता है। अधिक चिकनाईयुक्त भोजन करने, मेवे आदि के सेवन के कारण महिलाओं का भार बढ़ता चला जाता है। जिन महिलाओं का वजन अधिक होता है। उनके शरीर पर पके हुए लाल रंग के घाव दिखाई पड़ने लगते हैं। शरीर के वजन को कम करने के लिए किसी विशेषज्ञ की देखरेख में व्यायाम करना चाहिए।

बालों का झड़ना

बच्चे के जन्म के बाद महिलाओं के सर के बालों का टूटना, पतला होना, बालों का सफेद होना, बालों का न बढ़ना जैसी परेशानियां आम बात है। आमतौर पर यह खुद ही ठीक हो जाते हैं। इस समस्या से बचने के लिए पौष्टिक आहार लें और बालों की उचित देखभाल करें।

दांतों में परेशानी

प्रसव के बाद महिलाओं के दांतों की चमक कम हो जाती है। दांतों में दरारे, दांतों में छेद, मसूड़ों का सूजना एवं मवाद का आना आदि समस्याएं भी उत्पन्न हो जाती है।

पैरों में बदलाव

महिलाओं में प्रसव के बाद शरीर के लिंगामेंट मांसपेशियों तथा दो हड्डियों के बीच बांधने वाली नलिकाएं ढीली हो जाती है, जिससे पैरों के आकार में परिवर्तन हो जाता है। प्रसव के बाद हड्डियों का आकार बदल जाता है। इस कारण महिलाओं के चाल में भी परिवर्तन आ जाता है। इसकी वजह से कमर तथा कूल्हों में दर्द है।

मानसिक बदलाव

कई बार प्रसव के बाद महिलाओं को रोने का मन करता है। या कई अलग-अलग तरह के विचार दिमाग में आते हैं। यह शरीर में हुए हार्मोनल बदलाव के कारण हो सकता है।

चुस्त रहने के लिए जरूरी है शरीर में पर्याप्त हो आयरन

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए अन्य विटमिन की ही तरह आयरन से भरपूर आहार लेना भी बहुत जरूरी होता है। आयरन की जरूरत हीमोग्लोबिन बनाने के लिए होती है। यह लाल रक्त कोशिकाओं में पाया जाता है जो अंगों व ऊत्तकों में ऑक्सीजन वहन करने का काम करता है। पर जब भी आयरन की बात आती है तो बेस्ट सोर्स के तौर पर पालक का नाम ही दिमाग में आ जाता है। लेकिन जानना होगा कि सिर्फ पालक ही आयरन का बेस्ट सोसज़ नहीं है। तो आइए आज हम आपको बताते हैं कि कैसे पोषक तत्वों और सप्लीमेंट्स के जरिए हम खून में आयरन की मात्रा बढ़ा सकते हैं।

गुड़ खाकर दूर करें आयरन की कमी

अगर आयरन की पयाज़्त मात्रा न हो, तो इसका असर हमारे शरीर के कई अंगों पर पड़ता है। गुड़ एक ऐसा आहार है जिसमें आयरन बहुत अधिक पाया जाता है। गुड़ गन्ने से तैयार एक शुद्ध, अपरिष्कृत चीनी है। यह खनिज और विटमिन है जो मूल रूप से गन्ने के रस में ही मौजूद हैं। गुड़ को चीनी का शुद्धतम रूप माना जाता है। गुड़ आयरन का एक प्रमुख स्त्रोत है और अनीमिया के शिकार व्यक्ति को चीनी के स्थान पर इसके सेवन की सलाह दी जाती है।

आयरन अवशोषण ऐसे बढ़ाएं

शाकाहारी खाद्य पदार्थों में मौजूद आयरन आपके शरीर के ज्यादा से ज्यादा काम कैसे आए यह जानना भी जरूरी है। इसमें विटमिन सी आपकी मदद कर सकता है। ताजा सब्जियां और खट्टे फल विटमिन सी के सबसे अच्छे ीत हैं। इसके साथ ही आप चाहें तो मसूर के सूप में लाल शिमला मिर्च व अन्य सब्जियां डालकर पिएं।

इतने आयरन की जरूरत

सामान्य महिला को एक दिन में 18 मिलीग्राम आयरन की आवश्यकता होती है, गर्भावस्था के दौरान महिला को 27 मिलीग्राम आयरन लेना चाहिए। वहीं, पुरुषों को रोजाना 8 मिलीग्राम आयरन की जरूरत होती है। 14 से 18 साल की आयु की लड़कियों को 15 मिलीग्राम आयरन की रोजाना आवश्यकता होती है।

यह सोचना गलत है कि पालक में ही सबसे ज्यादा आयरन होता है। रेड मीट में ज्यादा मात्रा में आयरन होता है जो फायदेमंद है। पर इसे ज्यादा मात्रा में नहीं खाना चाहिए।

– **डॉ सरनजीत सिंह,** स्पोर्ट्स मेडिसिन स्पेशियलिस्ट

आयरन की कमी के लक्षण

■ जीभ में दर्द ■ बालों का झड़ना ■ सिर में दर्द ■ चक्कर आना ■ थकान लगना ■ भूख न लगना ■ नाखूनों में सफेदी आ जाना ■ कमजोरी

इन फूड्स से मिलेगा आयरन

- **वेज:** फलियां, नट्स, बादाम, पालक और हरी पत्तेदार सब्जियां।
- **नॉनवेज:** रेड मीट और मछली
- **फल:** खजूर, तरबूज, सेब, अंगूर, अनार

रेसिपी

करेले का चटपटा अचार

सामग्री

- 1 किलो करेला
- 2 चम्मच नमक
- 1 चम्मच हल्दी
- 1 चम्मच सोंठ
- 1/4 कप मिर्च पावडर
- 1/4 कप भुनी और कुटी अजवायन
- 2 चम्मच सौंफ, भुना और पावडर किया हुआ
- 2 कप नींबू का रस एक कांच का जार

विधि

करेले के ऊपर का कठोर हिस्सा चाकू से घिस लें, फिर उसे लंबा लंबा काट लें। करेले को नमक में मिलाएं और 3-4 घंटे के लिए रख दें। फिर करेले को हाथों से दबा कर निचोड़ लें और उसक बीज को निकाल कर साफ पानी से धो लें। उसके बाद फिर से करेले को निचोड़ें। अब मसाले में नींबू का जूस मिक्स करें, जिससे उसमें नमी आ जाए। फिर इस मसाले को करेले के अंदर भर कर उसे धागे से कटस कर लपेट दें, जिससे वह बंध जाए। अब इन करेलों को जार में भर दें और ऊपर से नींबू का रस मिला कर कवर कर दें। इसे 3-4 दिन धूप दिखा कर तीन चार हफ्तों बाद खाएं। एक बार जब करेले का अचार तैयार हो जाए तब इसे छोटे छोटे पीस में काट कर सर्व किया जा सकता है।

रागी डार्क चॉकलेट

सामग्री

- 100 ग्राम कंपाउंड डार्क चॉकलेट
- 2 अंडे 1/2 कप कैस्टर शुगर या ब्राउन शुगर
- 1/2 कप पिघला बटर
- 1/2 कप रागी आटा
- 1/2 चम्मच बेकिंग पावडर
- 2 टी स्पून विस्की

विधि

ओवन को पहले 100 डिग्री सेल्सियस पर गरम कर लें। फिर कंपाउंड चॉकलेट को छोटे टुकड़ों में तोड़कर डबल बॉइलर में पिघला लें। फिर इसे किनारे रखें और ठंडा होने के लिए किनारे रख दें। एक बाउल में अंडे अच्छे से फेटें और उसमें शक्कर धीरे धीरे मिलाएं। अब पिघला चॉकलेट और पिघला बटर एक साथ मिक्स करें। फिर इस मिश्रण को अंडे और शक्कर वाले मिश्रण में मिक्स करें। अब रागी और बेकिंग पावडर को छान लें। फिर इसे पहले बताए गए मिश्रण में धीरे धीरे मिक्स करें। ध्यान रखें कि गांठे ना पड़ें। साथ ही ओवर मिक्स भी ना करें। अब आखिर में विस्की मिलाएं और आखिरी बार चलाएं। इस मिश्रण को बेकिंग टिन जो कि 6 इंच की चौड़ाई में हो, उसमें पलटें। इसे ओवन में 15 मिनट तक पकाएं और जब यह हो जाए तब उसमें फोर्क घुसा कर चेक कर लें। फिर इसे ओवन से निकाल कर ठंडा होने के लिये रखें। फिर इसे सर्व करें।

ऑल टाइम फेवरेट शॉर्ट मिडी और वन पीस ड्रेसेज

इस बार सर्दी कम है, इसलिए पार्टी में ड्रेस का स्टाइल भी कुछ डिफरेंट होगा। यंगस्टर्स सेलिब्रेशन में लेटेस्ट फैशन कैरी कर रहे हैं। इसे देखते हुए मैटेलिक टच में वन पीस ड्रेस और गाऊन का ट्रेंड देखा जा रहा है। साथ ही लांग टॉप्स, शॉर्ट मिडी और लाइक्रा ड्रेस को भी गर्ल्स पसंद कर रही हैं। पार्टी में शॉर्ट ड्रेस के साथ ही स्पेशल दिखने के लिए सिल्वर और गोल्डन कलर में ड्रेसेस डिजाइन यूथ ने सबसे ज्यादा कराई हैं।

लांग टॉप

यह एक तरह का टॉप है, जो थोड़ा डीप लेंथ का है। इसको लेगिंग्स, जेगिंग्स और जींस के साथ मैच किया जा सकता है। स्पेशल ओकेजंस को देखते हुए ये ड्रेस परफेक्ट है, क्योंकि इसे मलमल कॉटन से बनाया गया है, जो रात में लाइट से रिफ्लेक्ट होकर काफी चमकता है।

मक्खी नेट शॉर्ट्स

मक्खी नेट शॉर्ट्स का फैशन भी इन दिनों काफी पॉपुलर हो रहा है। फ्लॉवर इसकी खूबसूरती में चार चांद लगाता है। ये ड्रेस दिखने में जितनी ट्रेंडी है पहनने में उतनी ही आरामदायक भी है। ये ड्रेस कूल और डिसेंट दोनों ही लुक देती हैं। सेलिब्रिटी से हिट हुआ शॉर्ट मिडी का फैशन अब सिटी में भी एंट्री मार चुका है। यह एक तरह का लांग टॉप होता है जिसे जींस, लेगिंग्स या जेगिंग्स के साथ तो पहना ही जा सकता है साथ ही इसको वन पीस की तरह से भी यूज किया जा सकता है। ये ड्रेस पहनने में काफी कम्फर्टेबल होती हैं।

वेल्वेट ड्रेसेस

न्यू ईयर पार्टी के लिए लाइक्रा और वेल्वेट ड्रेसेस डिजाइन किए जा रहे हैं। वन पीस ड्रेस खासतौर पर फ्रिल पैटर्न में डिजाइन की जा रही हैं। वहीं, ईवनिंग गाउन से लेकर, वन पीस ड्रेसेस, स्कर्ट्स ज्यादातर ड्रेसेस फ्रिल पैटर्न में अवेलेबल हैं।

केंद्रीय मंत्री बोले-पाकिस्तान को नहीं दिया जाएगा सिंधु का पानी: देश के हित में करेंगे इस्तेमाल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने कहा- सिंधु नदी का पानी पाकिस्तान को नहीं दिया जाएगा। पाकिस्तान की ओर जाने वाले पानी को रोककर भारत के हित में उपयोग किया जाएगा। इस पानी का लाभ हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और दिल्ली को मिलेगा। उन्होंने कहा- इसे लेकर केंद्र सरकार की ओर से कार्य योजना तैयार की जा रही है। पाकिस्तान जाने वाले पानी को डायवर्ट करने के लिए डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कर ली गई है। हालांकि, जो पानी मजबूरी में छोड़ा जाता है, उस पर उन्होंने कोई बयान नहीं दिया। पाटिल ने यह भी बताया कि यमुना जल परियोजना पर काम तेज किया जाएगा, ताकि पानी के बेहतर प्रबंधन और उपयोग से राज्यों को ज्यादा लाभ मिल सके। केंद्रीय मंत्री ने शनिवार को जयपुर में बीजेपी मुख्यालय में मीडिया से ये बात कही। 12 सालों में स्थिर गति से आगे बढ़ी भारत की अर्थव्यवस्था देश की आर्थिक स्थिति पर बात करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा- पिछले 12 सालों में भारत की अर्थव्यवस्था स्थिर गति से आगे बढ़ी है। सरकार ने महंगाई को नियंत्रण में रखा है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह पर भी निशाना साधा। पाटिल ने कहा- वे एक प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री होने के बावजूद अपने कार्यकाल में भारत की अर्थव्यवस्था को वैश्विक रैंकिंग में 10-11वें स्थान से आगे नहीं ले जा सके, जबकि आज भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। कर सुधारों का सकारात्मक असर अब स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। यमुना जल परियोजना पर जल्द शुरू होगा काम यमुना जल परियोजना को लेकर केंद्रीय मंत्री पाटिल ने कहा- यमुना के पानी पर राजस्थान का अधिकार था, लेकिन पिछली सरकारों ने इस दिशा में ठोस प्रयास नहीं किए। अब हरियाणा और राजस्थान सरकार के बीच डीपीआर तैयार करने पर सहमति बन चुकी है। जल्द ही इस परियोजना पर काम शुरू होगा। उन्होंने बताया- पाइपलाइन के जरिए पानी लाने की इस योजना की अनुमानित लागत 77 हजार करोड़ से 1 लाख करोड़ रुपए तक हो सकती है। फिलहाल सबसे कम पानी राजस्थान के पास है, लेकिन आने वाले समय में सबसे अधिक पानी राजस्थान के पास होगा। मुख्यमंत्री इस मुद्दे को लेकर लगातार केंद्र से संवाद कर रहे हैं, जिसका सकारात्मक परिणाम सामने आएगा। शेखावाटी को मिलेगा यमुना का पानी केंद्रीय मंत्री ने बताया- राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र के 3 जिलों को यमुना का पानी उपलब्ध कराने के मुद्दे पर भी महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। हरियाणा के मुख्यमंत्री ने इस पर सहमति दे दी है और अब डीपीआर बनाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा- सरप्लस पानी का हिस्सा राजस्थान को मिले, इसके लिए तकनीकी स्तर पर काम किया जा रहा है। संशोधित योजना की डीपीआर मंत्रालय को मिल चुकी है, उसका परीक्षण किया जा रहा है। परीक्षण पूरा होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। खेती और पेयजल के लिए जनता को पानी देने का उद्देश्य है ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा देने के सवाल पर पाटिल ने कहा- यह फैसला केंद्रीय कैबिनेट स्तर पर होता है। उनका उद्देश्य यह है कि खेती और पेयजल के लिए जनता को पर्याप्त पानी मिले, चाहे निवेश किसी भी सरकार द्वारा किया जाए। घर-घर पानी पहुंचाना राज्यों की जिम्मेदारी जल जीवन मिशन योजना पर केंद्रीय मंत्री ने कहा- घर-घर पानी पहुंचाना राज्यों की जिम्मेदारी है, लेकिन केंद्र सरकार ने पहली बार इस योजना के तहत राज्यों को 50 प्रतिशत तक वित्तीय सहायता दी है। योजना से जुड़ी 4 हजार से अधिक शिकायतें सामने आई हैं। जांच के लिए 119 टीमें गठित की गई थी और दोषियों पर कार्रवाई की गई। राजस्थान में इस मामले में एक पूर्व मंत्री की गिरफ्तारी भी हो चुकी है। प्रधानमंत्री की सीट को घेरना दुर्भाग्यपूर्ण लोकसभा में हुए घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए पाटिल ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा- कांग्रेस की महिला सांसदों की तरफ से प्रधानमंत्री की सीट को घेरना दुर्भाग्यपूर्ण है। लोकसभा प्रश्न और चर्चा का मंच है

झालरापाटन, छोटे भाई की शादी में बड़े भाई की मौत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा झालरापाटन

झालरापाटन में एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां परिवार की छोटे बेटे की शादी की खुशियां बड़े बेटे की मौत के मातम में बदल गईं। रात के शादी समारोह के बाद सभी परिवार वाले और निशांत सेन (31) सो गए। सुबह जब परिजन उठे तो निशांत बेसुध अवस्था में था। अस्पताल ले जाने पर आधे घंटे उपचार के बाद डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया मृतक की पहचान हरिश्चंद्र कॉलोनी निवासी निशांत सेन पुत्र प्रकाश सेन के रूप में हुई है। मृतक के छोटे भाई की शादी के कार्यक्रम कल पूरे हुए थे। कल रात अग्रसेन वाटिका में निशांत के छोटे भाई हिमांशु की शादी का कार्यक्रम था। कार्यक्रम पूरा होने के बाद सभी परिजन देर रात करीब 2 बजे सो गए। निशांत भी सो गया। शनिवार सुबह करीब 7:30 बजे निशांत की नींद खुली, जिसके बाद अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई। उसे तत्काल एसआरजी अस्पताल ले जाया गया। आधे घंटे के उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल प्रशासन ने शव को मोर्चुरी में रखवाकर झालरापाटन थाना पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही झालरापाटन थाना पुलिस एसआरजी अस्पताल पहुंची और पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू की। निशांत सेन की मृत्यु की खबर सुनकर उनके छोटे भाई हिमांशु सेन की भी तबीयत बिगड़ गई, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया है। रिश्तेदारों ने बताया कि निशांत के परिवार में उसकी पत्नी पूजा और बेटा कृष्णा, दादी, माता-पिता, चाचा-चाची और छोटा भाई है, जिसकी अभी शादी हुई है। निशांत की मौत से परिवार गहरे सदमे में है।

डूंगरपुर में 118 किलो अवैध अफीम डोडा चूरा पकड़ा: 3 तस्कर गिरफ्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा डूंगरपुर

जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन स्वच्छता' के तहत बिछीवाड़ा थाना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने राजस्थान-गुजरात के रतनपुर बॉर्डर पर एक कंटेनर से 10 लाख का 118 किलो अवैध अफीम डोडा चूरा जब्त किया है। वहीं, 3 तस्कर को गिरफ्तार किया है। कंटेनर में 10 कट्टों में डोडा चूरा भरा हुआ था। परचूनी सामान की आड़ में तस्करी कर ले जाया जा रहा था। बिछीवाड़ा थानाधिकारी कैलाश सोनी ने बताया कि नशे की तस्करी को रोकने ऑपरेशन स्वच्छता चलाया जा रहा है। इसके तहत मुखबिर के जरिए सूचना मिली कि कंटेनर से डोडा चुरा की तस्करी की जा रही है। सीआई कैलाश सोनी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने रतनपुर बॉर्डर पर नाकाबंदी कर संदिग्ध कंटेनर को रोका और तलाशी ली। कंटेनर में परचूनी सामान भरा हुआ था। उसके पीछे की कट्टो में अफीम डोडा चुरा भरा हुआ मिला। पुलिस ने 10 कट्टो से 118 किलो अफीम डोडा चुरा बरामद किया है। पुलिस ने कंटेनर ड्राइवर सहित 3 तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि यह खेप कहां से लाई गई थी और इसे कहां सप्लाई किया जाना था।

झुंझुनूं में वकील हुए आमने-सामने: एक पक्ष बोला- रेवेन्यू केस उदयपुरवाटी शिफ्ट हों; दूसरे ने कहा- ये मांग अनुचित

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा झुंझुनूं

राजस्व मामलों के क्षेत्राधिकार को लेकर झुंझुनूं मुख्यालय के वकीलों का धरना शनिवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। वकीलों ने पूर्णतः कार्य बहिष्कार रखा, जिससे कोर्ट परिसर में सन्नाटा पसरा रहा और दूर-दराज से आए पक्षकारों को बिना सुनवाई के ही वापस लौटना पड़ा। विवाद की मुख्य जड़ गुढ़ागौड़जी क्षेत्र के राजस्व प्रकरणों का स्थानांतरण है। उदयपुरवाटी के वकील मांग कर रहे हैं कि गुढ़ागौड़जी क्षेत्र के सभी राजस्व मामलों की सुनवाई उदयपुरवाटी में की जाए। वहीं, झुंझुनूं मुख्यालय के वकील इस मांग का विरोध कर रहे हैं। उनका तर्क है कि यह मांग न केवल अनुचित है, बल्कि आम जनता के हितों के खिलाफ भी है। धरने पर बैठे वकीलों ने कहा कि गुढ़ागौड़जी क्षेत्र के प्रकरणों को झुंझुनूं से हटाना किसी भी सूरत में मंजूर नहीं किया जाएगा। वकीलों का कहना है कि वर्ष 2023 से ही गुढ़ागौड़जी क्षेत्र के राजस्व मामलों की सुनवाई सुचारू रूप से झुंझुनूं मुख्यालय पर हो रही है। अब इसमें बदलाव का कोई तार्किक आधार नहीं है। झुंझुनूं जिला मुख्यालय होने के नाते यहां वकीलों और पक्षकारों के लिए हर प्रकार की आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। यहां पहुंचना और कानूनी प्रक्रिया को पूरा करना अधिक सुगम है। वकीलों ने दावा किया कि गुढ़ागौड़जी क्षेत्र की जनता भी यही चाहती है कि उनके मामलों की सुनवाई झुंझुनूं में ही हो, क्योंकि यहां उन्हें बेहतर कनेक्टिविटी और संसाधन मिलते हैं। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रतन मोरवाल ने कहा कि उदयपुरवाटी के अधिवक्ताओं द्वारा की जा रही मांग पूरी तरह आधारहीन है। हम किसी भी प्रकरण को यहां से स्थानांतरित नहीं होने देंगे। जब तक प्रशासन हमारी मांगें नहीं मानता, कार्य बहिष्कार जारी रहेगा।

'राजनीति सेवा है, धंधा नहीं', किरोड़ी लाल के हमले से बढ़ा सियासी तापमान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा दौसा

दौसा जिले की राजनीति में एक बार फिर तीखी बयानबाजी देखने को मिली है। कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने कांग्रेस विधायक दीनदयाल बेरवा पर सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में हस्तक्षेप और एक महिला पटवारी को धमकाने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। दौसा जिले की राजनीति में एक बार फिर बयानबाजी को लेकर गर्माहट बढ़ गई है। कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने कांग्रेस विधायक दीनदयाल बेरवा पर सार्वजनिक रूप से तीखा जुबानी हमला बोलते हुए कई गंभीर आरोप लगाए हैं। यह पूरा मामला सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाने की प्रशासनिक कार्रवाई के दौरान सामने आया, जिसके बाद जिले का राजनीतिक माहौल अचानक गरमा गया।

कोटा सरकारी कॉलेज में सद्बुद्धि यज्ञ कर छात्रों का विरोध:

हॉस्टल में प्रवेश और बिजली कनेक्शन बहाली की मांग को लेकर दूसरे दिन भी प्रदर्शन जारी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटा

कोटा में गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज में संचालित रघुनाथ और जुबली हॉस्टल में प्रवेश को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। हॉस्टल में प्रवेश प्रक्रिया शुरू करने और बिजली कनेक्शन बहाल करने की मांग को लेकर छात्रों का प्रदर्शन दूसरे दिन भी जारी रहा। पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष हरि प्रकाश मीणा के नेतृत्व में छात्रों ने कॉलेज परिसर में सदबुद्धि यज्ञ कर अनोखे अंदाज में विरोध जताया। इस दौरान कॉलेज प्राचार्य और शिक्षा मंत्री को सदबुद्धि देने की कामना करते हुए हवन में आहुतियां दीं। पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष हरिप्रकाश मीणा ने कहा कि जुबली और रघुनाथ हॉस्टल का संचालन सरकारी कॉलेज की ओर से किया जाता है। कुछ समय से कॉलेज प्रशासन द्वारा छात्रों को प्रवेश नहीं दिया जा रहा है और हॉस्टल में बिजली कनेक्शन भी नहीं है। बिजली के बिल का भुगतान भी नहीं किया जा रहा है। हॉस्टल को बंद करने की तैयारी है। कोटा में पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष हरि प्रकाश मीणा के नेतृत्व में छात्रों ने कॉलेज परिसर में सदबुद्धि यज्ञ कर अनोखे अंदाज में विरोध जताया और कॉलेज प्राचार्य व शिक्षा मंत्री को सदबुद्धि देने की कामना करते हुए हवन में आहुतियां दीं। कोटा में पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष हरि प्रकाश मीणा के नेतृत्व में छात्रों ने कॉलेज परिसर में सदबुद्धि यज्ञ कर अनोखे अंदाज में विरोध जताया और कॉलेज प्राचार्य व शिक्षा मंत्री को सदबुद्धि देने की कामना करते हुए हवन में आहुतियां दीं। मीणा ने कहा कि ऐसे में ग्रामीण क्षेत्र से आकर कोटा में पढ़ने वाले छात्रों के सामने समस्या खड़ी हो गई है। ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले स्टूडेंट्स कहां रहेंगे। स्टूडेंट से दुर्व्यव्हार बंद हो। इसे लेकर शुक्रवार को भी छात्रों ने प्रदर्शन किया था। प्राचार्य की शव यात्रा निकालकर दो छात्रों ने मुंडन भी करवाया था। उसके बावजूद हमारी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया। अगर हमारी मांग पूरी नहीं हुई तो आगे आंदोलन तेज किया जाएगा।

अजमेर में वकीलों का विरोध प्रदर्शन: नए भवन में बैठने, अन्य सुविधाओं की मांग को लेकर काम का बहिष्कार, रैली निकाली

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अजमेर

अजमेर में जिला कोर्ट के नए भवन में वकीलों के बैठने सहित अन्य सुविधाओं की मांग को लेकर एडवोकेट्स का विरोध प्रदर्शन जारी है। जिला बार एसोसिएशन के साथ राजस्व बार एसोसिएशन भी विरोध प्रदर्शन में शामिल हो गई है। शनिवार को वकीलों की ओर से कोर्ट के पुराने भवन से रैली निकाली गई। नए भवन के बाहर पहुंचकर विरोध जताया और काम का पूर्ण बहिष्कार किया। जिला अदालत में अब तक 10 हजार मुकदमों की सुनवाई ठप पड़ी है, पक्षकारों को केवल तारीख ही दी जा रही है। जमानतों व स्टे के मामलों में सुनवाई नहीं हो रही है। वहीं दो दिन में राजस्व मंडल में 5000 मुकदमों में केवल तारीख बदली गई है। बार अध्यक्ष डॉक्टर योगेंद्र ओझा और सचिव रूपेंद्र कुमार परिहार ने बताया कि जब तक बार की 14 सूत्री मांगों पर कोई निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक कोई भी वकील न्यायालय में जाकर काम नहीं करेगा।

जेल में हुई पहचान फिर मेवाड़ से मारवाड़ तक सप्लाई: 25 हजार का इनामी 7 साल से फरार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बाड़मेर

एनएटीएफ ने 7 साल से फरार इनामी आरोपी को वापी गुजरात से गिरफ्तार किया है। प्रेमिका का खर्चे पूरे नहीं कर पाने पर रेप के मामले में जेल गया। वहां पर आरोपी रूगाराम तस्करों के संपर्क में आया। मेवाड़ से मारवाड़ तक मादक-पदार्थ की तस्करी शुरू की। एएनटीएफ पूछताछ में सामने आया कि 12वीं क्लास में होनहार था। क्लासमेंट लड़की से दोस्ती के चक्कर में पढ़ाई लिखाई छूट गई। इसके चलते अभी तक शादी नहीं की। एएनटीएफ आई जी विकास कुमार ने बताया- रूगाराम पुत्र सताराम निवासी गिड़ा, बालोतरा 7 साल से फरारी काट रहा था। इस पर 25 हजार रुपए का इनामी है। मादक-पदार्थ तस्करी मेवाड़ से मारवाड़ तक करता था। पुलिस से छुपने के लिए राजस्थान से बाहर ट्रक चलाकर अवैध मादक-पदार्थ की तस्करी कर रहा था। एएनटीएफ टीम ने वापी गुजरात से उसको गिरफ्तार किया है। रूगाराम गुजरात में बसों व गुजरात में जाकर ट्रक चलाने का काम शुरू किया। 7 सालों में ट्रक लेकर गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्यप्रदेश के सैकड़ों चक्कर लगाए। गिरफ्तारी का डर ऐसा था कि राजस्थान में आया नहीं। लेकिन ट्रक की आड़ में काला धंधा चलता रहा। एनटीएफ ने बताया-रूगाराम उर्फ रघुवीर का परिवार जोधपुर में रहता है। उसके पिता व भाई आरोपी रूगाराम से मिलने के लिए वापी गुजरात जाते थे। इस पर टीम ने पिता की निगरानी रखनी शुरू की। आरोपी रूगाराम से मिलने गए गुजरात के वापी पहुंचे। वहां पर एक बड़े गोदाम से ट्रांसपोर्ट का माल भरकर ले जाने की सूचना मिली। एएनटीएफ की टीम वापी पहुंचकर ट्रक ड्राइवरों से आरोपी रूगाराम के पिता सताराम के रिश्तेदार बताया। कहा पिता ने हल्दी की सब्जी भेजी है खराब हो जाएगी। साथी ड्राइवरों ने ट्रक, रूट व गंतव्य स्थल का पूरा पता दिया। उसके बाद एएनटीएफ की टीम ने वापी शहर से जलगांव के रास्ते पर सैकड़ों किलोमीटर तक ट्रक का पता लगाकर पीछा किया। आखिरकार मेहनत रंग लाई और जलगांव के पास रूगाराम ट्रक में ही सोया टीम के हत्थे चढ़ गया। एएनटीएफ ने बताया- 12वीं कक्षा तक पढ़ाई में होनहार लड़का सहपाठी लड़की मित्र से दोस्ती की। फिर उसके चक्कर में ऐसा फंसा की पढ़ाई लिखाई छोड़कर प्यार में डूब गया। स्कूल की पढ़ाई के बाद घरवालों ने आईटीआई जोधपुर भेजा लेकिन गर्लफ्रेंड के खर्चे पूरे नहीं कर पाया। नाराज होकर गर्लफ्रेंड ने रेप का मामला दर्ज करवा दिया। फिर जेल चला गया।

केंद्रीय मंत्री-हमारा प्रयास की नंदी महाराज पैदा ही ना हो: बोले- बैलों का अब उपयोग नहीं हो रहा, 90 प्रतिशत बछिया ही पैदा होंगी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अजमेर

केंद्र की ओर से पेश किए गए बजट को लेकर केंद्रीय राज्य मंत्री एसपी बघेल शनिवार को अजमेर पहुंचे। जयपुर रोड स्थित निजी होटल में प्रेस कांफ्रेंस के दौरान उन्होंने कहा कि गायों के गर्भधारण के लिए सेक्स सॉर्टेड सीमन का उपयोग किया जा रहा है। जिसमें हमारा प्रयास है की नंदी महाराज पैदा ही ना हो, क्योंकि बैलों का अब उपयोग नहीं हो रहा है। राज्य मंत्री ने कहा- हल नहीं चल रहे, बैलगाड़ी नहीं चल रही, कोल्हू नहीं चल रहे, रहट नहीं चल रहे, इसलिए बैलों का कोई उपयोग नहीं हो रहा है। हम छोटे थे तो बछड़ा पैदा होने पर मिठाई बांटते थे। गीत गाए जाते है। या जब किसी के घर में मौत हो जाती थी तो बछड़ा पैदा होने पर अपशकुन दूर हो जाता था। अब मशीन आने से, ट्रेक्टर आने से, थ्रेशर आने से बेल यूजलेस हो गया है। इसलिए हम कोशिश करेंगे कि नंदी महाराज पैदा ही न हो। गायों के गर्भधारण में सेक्स सॉर्टेड सीमेन का उपयोग होगा तो 90 प्रतिशत बछिया ही पैदा होगी। इससे दूध की नदिया बहेगी। केंद्रीय मंत्री से नंदी महाराज पैदा ही ना हो के बयान का सवाल करने पर उन्होंने कहा कि 10' पैदा होंगे। 90' बछिया पैदा होंगी। 10' बछड़े पैदा होंगे और 10' बछड़े का विल पर्याप्त होगा। अच्छे ब्रीड का बछड़ा होगा और उसे खरीद भी लेंगे अच्छी व्हील के लिए। मंत्री ने कहा- नंदी महाराज ज्यादा पैदा ना हो क्योंकि हल का उपयोग कम हो गया है। ट्रैक्टर ने बेलगाड़ी को समाप्त कर दिया है। अभी भी पूरा देश कृत्रिम गर्भाधान में,द्व का इस्तेमाल नहीं कर रहा है, परंपरागत सालों से ही गायों का गर्भधारण करवा रहा है। केंद्रीय मंत्री एसपी बघेल ने कहा कि वित्त मंत्री की ओर से जो बजट पेश किया गया वह 57 लाख करोड़ का बजट है। जो सर्वव्यापी है। इसमें बीजेपी या अन्य शासित राज्यों को अलग चश्मे से नहीं देखा गया है। हर वर्ग का इस बजट में ख्याल किया गया है। यह बजट विकसित भारत का रोड मैप है। इस बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए भी बहुत सारा काम किया गया है। मनरेगा योजना पर कांग्रेस के विरोध के सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा-वह कहते हैं योजना समाप्त हो जाएगी, जैसे ही मजदूर को कम मिलेगा हमारी बात सिद्ध हो जाएगी। वह 100 दिन देते थे हम 125 दिन काम दे रहे हैं। भ्रष्टाचार पर 10000 का जुर्माना भी है। एक लाख से ज्यादा शिकायतें सामने आए थे। उन शिकायतों को दूर करने का काम किया गया है। मजदूरों के लिए एक शानदार योजना है।

सफारी में मोबाइल ले जाने पर एफआईआर होगी

राजस्थान में टाइगर की फोटो-वीडियो बनाने पर रोक

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा सवाई माधोपुर

राजस्थान के सबसे बड़े रणथंभौर टाइगर रिजर्व समेत कुल चार टाइगर रिजर्व में रील बनाने, वीडियो शूट करने और सेल्फी लेने जैसी गतिविधियों पर रोक लगा दी गई है। यह कदम सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के तहत उठाया गया है, जिससे वन्यजीवों के प्राकृतिक व्यवहार में कोई बाधा न आए। सफारी के टूरिस्ट और गाइड मोबाइल नहीं ले जा सकेंगे। वन विभाग ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का हवाला देते हुए एक आदेश जारी किया है। इसके तहत टाइगर रिजर्व में पोस्टर और फ्लैक्स भी लगा दिए गए हैं। साथ ही गाइड को भी निर्देश दिए है कि वे

मोबाइल फोन के रोक संबंधी आदेश के बारे में टूरिस्ट्?स को भी अवगत करा दें।

राजस्थान में फिलहाल चार टाइगर रिजर्व है। इनमें रणथंभौर टाइगर रिजर्व, सरिस्का टाइगर रिजर्व (अलवर), मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व (कोटा) और रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व (बूंदी) शामिल हैं। धौलपुर-करौली और कुंभलगढ़ को भी टाइगर रिजर्व बनाने की प्रक्रिया चल रही है, लेकिन ये अभी पूरी नहीं हो पाई है। टाइगर रिजर्व के अधिकारियों का कहना है कि मोबाइल के कारण कई पर्यटक जानवरों के बेहद करीब जाने की कोशिश करते हैं, जिससे जानवर परेशान होते हैं। सफारी गाड़ियां (कैंटर) एक जगह इकट्ठी हो जाती हैं। इससे जंगल का शांत माहौल प्रभावित होता है और वन्यजीवों पर दबाव बढ़ता है। अधिकारियों का कहना है कि यह फैसला वन्यजीवों की सुरक्षा और प्राकृतिक वातावरण को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से लिया गया है। नई व्यवस्था के अनुसार, अब कोर टूरिज्म जोन और सफारी रूट्स पर पर्यटक, गाइड, ड्राइवर और नैचुरलिस्ट, किसी को भी मोबाइल फोन इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं होगी। नियम टाइगर रिजर्व के सभी सफारी जोन में लागू किया गया है। रणथंभौर टाइगर रिजर्व डीएफओ (पर्यटन) संजीव शर्मा कहते हैं- सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद वन विभाग की ओर से सफारी के दौरान मोबाइल फोन के उपयोग पर रोक लगाई गई है। इसे लेकर वन विभाग ने एक आदेश जारी किया है।

कांग्रेस बोली- हार गए हाउडी मोदी; राजनाथ ने बताया निर्यात के अवसर, व्यापार समझौते पर किसने क्या कहा?

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच हुए व्यापार समझौते की रूपरेखा जारी कर दी गई है। दोनों देशों ने अंतरिम व्यापार समझौते का ढांचा तय किया है और इस पर संयुक्त बयान जारी किया है, जिससे दोनों देशों के आर्थिक रिश्तों को नई दिशा मिलने की संभावना के तौर पर देखा जा रहा है। ऐसे में अब इस समझौते को लेकर जारी संयुक्त बयान पर सत्ता पक्ष, विपक्ष समेत कई एजेंसियों की प्रतिक्रिया सामने आई है। एक तरफ जहां रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसे निर्यात का बड़ा अवसर बताया है। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस ने इसे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की जीत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बड़ी हार बताया। आइए जानते हैं किसने क्या कहा? इससे पहले बता दें कि भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते के इस ढांचे में अमेरिका ने भारतीय उत्पादों पर टैरिफ में बड़ी कटौती की है, जिससे निर्यात, रोजगार और स्वस्थ्य सेक्टर को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। दूसरी ओर भारत ने कृषि और डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा भी बरकरार रखी है। जारी बयान में यह भी बताया गया है कि इस समझौते का मकसद दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ाना, रोजगार पैदा करना और दोनों देशों की अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। इस समझौते के तहत अमेरिका ने भारतीय सामान पर लगने वाला टैरिफ 50' से घटाकर 18' कर दिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत और अमेरिका के बीच हुए अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा की सराहना की है। उन्होंने कहा कि यह समझौता भारत के लिए कई बड़े फायदे लेकर आएगा। इससे निर्यात बढ़ेगा, मजदूर-आधारित उद्योग मजबूत होंगे और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे। राजनाथ सिंह ने भरोसा दिलाया कि इस समझौते में किसानों और कृषि क्षेत्र के हितों की पूरी तरह सुरक्षा की गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत-अमेरिका के बीच यह समझौता देश की आर्थिक यात्रा में एक अहम कदम है। उन्होंने यह भी कहा कि यह ढांचा बेहतर निवेश को आकर्षित करेगा और भारत को लंबे समय तक आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में मदद करेगा। राजनाथ सिंह ने इस उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों की सराहना की। भारत और अमेरिका के बीच हुए अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर कांग्रेस ने कड़ी आपत्ति जताई है। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि यह समझौता अमेरिका के फायदे में है और इससे भारत को नुकसान हो सकता है। जयराम रमेश ने तंज कसते हुए कहा कि नमस्ते ट्रंप जीते, हाउडी मोदी हारे। उनका कहना है कि सरकार ने जो संयुक्त बयान जारी किया है, उसमें पूरी जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन जो बातें सामने आई हैं, उनसे पांच बातें साफ होती हैं। जयराम रमेश ने कहा कि पहली बात यह है कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा और अगर खरीदा तो अमेरिका 25 फीसदी टैरिफ (जुर्माना) लगा सकता है। दूसरी बात, भारत अमेरिका से आने वाले कृषि उत्पादों पर आयात शुल्क कम करेगा या खत्म करेगा। तीसरी बात, भारत का अमेरिका से आयात हर साल तीन गुना तक बढ़ सकता है। इससे भारत-अमेरिका व्यापार, जो अभी भारत के पक्ष में है, घाटे में जा सकता है।

भारतीय कोस्ट गार्ड ने 3 जहाज पकड़े
अंतरराष्ट्रीय तेल तस्करी का भंडाफोड़: समंदर में चला रहे थे अवैध कारोबार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा मुंबई

भारतीय कोस्ट गार्ड ने शुक्रवार को एक बड़े अंतरराष्ट्रीय तेल तस्करी रैकेट का पर्दाफाश किया है। यह कार्रवाई समंदर और हवाई निगरानी में चलाए गए संयुक्त ऑपरेशन के दौरान की गई। इस ऑपरेशन के दौरान कोस्ट गार्ड ने तीन जहाजों को जब्त किया है। ये जहाज मुंबई के पास समंदर में अवैध तरीके से तेल की तस्करी कर रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि यह गिरोह युद्धग्रस्त देशों से बड़ी मात्रा में सस्ता तेल खरीदता था। अंतरराष्ट्रीय समंदर सीमा में इस तेल को बीच समंदर में ही दूसरे मोटर टैंकरों में ट्रांसफर करके मोटा मुनाफा कमा रहे थे। इस पूरे नेटवर्क को अलग-अलग देशों में बैठे हैंडलर चला रहे थे, जो तेल की बिक्री और ट्रांसफर का काम संभालते थे। कोस्ट गार्ड के जहाजों ने गुरुवार को मुंबई से करीब 100 नॉटिकल मील पश्चिम में तीन जहाजों को रोका। बोर्डिंग टीम ने जहाजों की तलाशी ली और इलेक्ट्रॉनिक डेटा चेक किया। इसके अलावा दस्तावेजों की जांच की और क्रू से पूछताछ की। इससे अपराधियों की पूरी चेन और उनका तरीका सामने आया। कोस्ट गार्ड की तकनीक से लैस सिस्टम ने भारतीय विशेष आर्थिक क्षेत्र में एक मोटर टैंकर की संदिग्ध गतिविधि पकड़ी। डिजिटल जांच से पता चला कि दो अन्य जहाज भी इस जहाज के पास आ रहे थे और तेल से जुड़े माल की गैरकानूनी ट्रांसफर में शामिल हो सकते हैं। इससे भारत समेत तटीय देशों को भारी ड्यूटी का नुकसान हो रहा था। गुरुवार को स्पेशल टीमों ने जहाजों पर चढ़कर डिजिटल सबूतों की पुष्टि की और उन्हें पकड़ लिया। अब इन जहाजों को मुंबई लाया जाएगा, जहां कस्टम्स और कानून लागू करने वाली एजेंसियां आगे की जांच करेंगी। जांच में पता चला कि ये जहाज अक्सर अपनी पहचान बदलते थे ताकि तटीय देशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियां उन्हें पकड़ न सकें। शुरुआती जांच से मालूम हुआ कि जहाजों के मालिक दूसरे देशों में हैं।

ओवैसी ने केंद्र पर लगाए गंभीर आरोप
नहीं दिया गया था सेना को आदेश, लद्दाख में घुसपैठ रुकी नहीं

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा हैदराबाद

तेलंगाना में 11 फरवरी को होने वाले नगरपालिका और नगर निगम चुनावों के नजदीक आते ही राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। साथ ही आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति भी अपने अपने चरम पर पहुंच गई है। इसी बीच निजामाबाद में एक चुनावी सभा को संबोधित करत हुए सीमा सुरक्षा के मुद्दे पर भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। ओवैसी ने कहा कि कोविड के समय से ही उन्होंने सरकार को चेतावनी दी थी कि चीन भारत में घुसपैठ कर रहा है। उनका कहना था कि एक भारतीय सेना जनरल ने बताया था कि चीन की टुकड़ियां और टैंक लद्दाख में प्रवेश कर गए थे। जनरल ने प्रधानमंत्री कार्यालय और सभी जिम्मेदार अधिकारियों को जानकारी दी। लेकिन इसके बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि जो ठीक लगे, वही करो। ओवैसी ने भाजपा और आरएसएस पर आरोप लगाया कि वे सेना को आदेश देने का साहस नहीं दिखा सके, ताकि चीनी सेना को पीछे हटाया जा सके। इस दौरान ओवैसी ने टी20 वर्ल्ड कप को लेकर भी बयान दिया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की टीम अगर भारत के खिलाफ नहीं खेलेगी, तो उन्हें यहां आने की कोई जरूरत नहीं है। ओवैसी ने सरकार और अधिकारियों पर कटाक्ष किया कि वे चुप हैं और पाकिस्तान की बात सुन रहे हैं, जबकि हमें कड़ा रुख दिखाना चाहिए। इसके साथ ही ओवैसी ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अगर एक ऑटो चालक मुस्लिम है तो उसे कम किराया देना चाहिए जैसी बातें कही जा रही हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि मैं आपको दो रुपये देता हूं, क्या आप लेंगे? क्या मैं इसे आपके खाते में ट्रांसफर कर दूं?। ओवैसी ने अंत में कहा कि सीएम सरमा का ऐसा बयान देने का मकसद था कि इस तरह के भेदभाव और अपमान को लोग समझें।

मुंबई में रितु तावड़े होंगी भाजपा की मेयर, शिंदे गुट के संजय घाड़ी डिप्टी मेयर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा मुंबई

भारतीय जनता पार्टी ने रितु तावड़े को मुंबई महापौर पद के लिए अपना उम्मीदवार घोषित किया है। मुंबई मेयर का पद खुली श्रेणी (जातिगत आरक्षण लागू नहीं) में महिला उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है, ऐसे में साफ है कि मुंबई को एक बार फिर महिला महापौर मिलेंगी। इसी कड़ी में मुंबई में पहली बार भाजपा का महापौर बनेगा। मुंबई भाजपा अध्यक्ष अमित साटम ने नाम का एलान किया है। वहीं शिंदे गुट के संजय शंकर घाड़ी डिप्टी मेयर बनेंगे। जिसकी घोषणा शिवसेना नेता राहुल शेवाले ने की। भाजपा मेयर प्रत्याशी रितु तावड़े घाटकोपर से तीन बार की पार्षद और शिक्षा समिति की पूर्व अध्यक्ष रह चुकी है। जबकि शिवसेना ने मुंबई के वार्ड नंबर 5, मागाथाने के पार्षद संजय शंकर घाड़ी को उप महापौर पद के लिए नामित किया है। बहुमत को देखते हुए महायुति पार्टी के महापौर और उप महापौर पदों के उम्मीदवारों की जीत निश्चित मानी जा रही है। महायुति की मेयर पद की उम्मीदवार घोषित होने पर भाजपा नेता रितु तावड़े ने अपनी पहली प्रतिक्रिया में कहा कि मुझे बहुत अच्छा महसूस हो रहा है। वहीं शिवसेना शिंदे गुट नेता संजय शंकर ने कहा, 'मैं महायुति गठबंधन के नेताओं का शुक्रिया अदा करता हूं कि उन्होंने मुझ पर भरोसा जताया और मुझे डिप्टी मेयर के पद के लिएनामांकित किया। मैं उन्हें भरोसा दिलाता हूं कि मैं अपनी जिम्मेदारियों को पूरी ईमानदारी से निभाऊंगा।' डिप्टी मेयर के पद के लिए शिवसेना ने यह साफ किया है कि घाड़ी उप महापौर पद पर डेढ़ साल तक बने रहेंगे। शिवसेना सचिव संजय मोरे ने एक बयान में कहा है कि घाड़ी 15 महीने तक उप महापौर के रूप में कार्य करेंगे। दरअसल, घाड़ी शिवसेना (यूबीटी) के उन वरिष्ठ पूर्व पार्षदों में से एक थे, जिन्होंने पाला बदलकर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए थे। मुंबई में उप महापौर के कार्यकाल को विभाजित करके शिवसेना अपने चार पार्षदों को अवसर देना चाहती है। दरअसल, मेयर और डिप्टी मेयर पदों के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि आज, सात फरवरी को समाप्त हो रही है। उसके बाद 11 फरवरी को मेयर चुनाव होने हैं। ऐसे में भाजपा-शिवसेना गठबंधन मेयर और डिप्टी मेयर पदों के लिए आवेदन दाखिल किया। इस दौरान भाजपा और शिवसेना नेता मौजूद रहे। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शिवसेना यूबीटी और कांग्रेस मेयर और डिप्टी मेयर पदों के लिए उम्मीदवार उतार सकती है।

पाकिस्तान को झटकाः
अमेरिका ने ट्रेड डील के बाद कश्मीर पर भी दिया साफ संदेश, पूरा पीओके भारत के नक्शे में दिखाया

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा वॉशिंगटन

जम्मू और कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। लेकिन पाकिस्तान इस आसान से तथ्य पर चाहे जितनी बहस करे या कितना ही प्रोपेगेंडा चलाए, लेकिन सच्चाई पूरी दुनिया को पता है। अब इस कड़ी में अमेरिका ने पाकिस्तान को बड़ा झटका दिया है। व्यापार समझौते के बाद कहीं ना कहीं अमेरिका ने पाकिस्तान को कश्मीर के मुद्दे पर भी साफ संदेश दे दिया है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने भारत का एक नक्शा जारी किया है, जिसमें जम्मू और कश्मीर को स्पष्ट रूप से भारत का हिस्सा दिखाया गया है। दरअसल, ट्रेड डील पर रूपरेखा तय होने के बाद अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय (यूएसटीआर) ने भारत का नक्शा जारी किया, जिसमें भारतीय क्षेत्र को स्पष्ट रूप से सीमांकित किया गया है। इस नक्शे में उत्तरी केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर को भारत के हिस्से के रूप में दिखाया गया है, जिसमें पाकिस्तान द्वारा अवैध रूप से कब्जा किया गया हिस्सा यानी पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) भी शामिल है। इस पोस्ट के जरिए बताया गया कि अमेरिकी उत्पादों की अब नए बाजार तक पहुंच बनेगी। भारत का नक्शा अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय द्वारा साझा किए गए एक ग्राफिक का हिस्सा था। जिसमें अमेरिका से आयात किए जाने वाले खाद्य पदार्थों में अमेरिकी मेवे, लाल ज्वार, ताजे और प्रसंस्कृत फल, सूखे अनाज (सूखे आसवन अनाज) और अमेरिकी शराब और स्पिरिट शामिल हैं। अब यह पोस्ट पाकिस्तान के प्रोपेगैंडा के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। जो कि बार-बार कश्मीर राग अलापने पर करार जवाब है। क्योंकि आमतौर पर इसमें साफ तौर पर बॉर्डर दिखाया जाता है। ऐसे में इस नक्शे के लिए वॉशिंगटन का रुख स्पष्ट है, जिसमें कोई बनावटी बात नहीं बल्कि ठोस तथ्य हैं। अमेरिका ने संकेत दिया है कि अमेरिकी नेतृत्व भारत के राजनीतिक मानचित्र से सहमत है, जो कि वास्तविकता का समर्थन करता है और निराधार क्षेत्रीय दावों के समर्थन में नहीं है।

बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा पर भारत सख्तः सरकार ने हर स्तर पर उठाया मुद्दा, सदन में सांसद ने कही ये बात

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

सरकार ने स्पष्ट किया है कि भारत और बांग्लादेश के रिश्ते किसी तीसरे देश के प्रभाव से संचालित नहीं होते। लोकसभा में दिए जवाब में विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा कि दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंध स्वतंत्र और मजबूत आधार पर टिके हैं। उन्होंने यह भी बताया कि बांग्लादेश में हिंदुओं समेत धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का मुद्दा भारत लगातार उठाता रहा है। सरकार इस विषय पर सतर्क रुख बनाए हुए है। लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में मंत्री ने कहा कि भारत अपने पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। भारत-बांग्लादेश संबंध बहुआयामी हैं और आपसी हितों, संवेदनशीलताओं तथा क्षेत्रीय और वैश्विक परिस्थितियों के आधार पर आगे बढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच संस्थागत तंत्र के तहत नियमित संवाद और बैठकें जारी हैं। रिश्तों को स्थिर और रचनात्मक बनाए रखने पर जोर है। विदेश राज्य मंत्री ने कहा कि बांग्लादेश में धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदू समुदाय की सुरक्षा का मुद्दा हर उपयुक्त अवसर पर बांग्लादेशी अधिकारियों के सामने उठाया गया है। भारत इस मामले में घटनाक्रम पर नजर रखे हुए है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय हितों और नागरिकों की सुरक्षा से जुड़े मामलों में जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। सरकार से पूछा गया था कि क्या भारत-बांग्लादेश संबंध संवेदनशील दौर से गुजर रहे हैं और क्या पाकिस्तान इसका फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है। इस पर मंत्री ने कहा कि भारत और बांग्लादेश के रिश्ते गहरे ऐतिहासिक, भौगोलिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आधार पर बने हैं। ये रिश्ते किसी तीसरे देश से प्रभावित नहीं होते। संवाद की प्रक्रिया लगातार जारी है। मंत्री ने बताया कि 2018 से 2025 के बीच कनाडा में हिंसक घटनाओं में 17 भारतीय छात्रों की मौत हुई। इसी अवधि में अमेरिका में 9, ऑस्ट्रेलिया में 3 और किर्गिस्तान में 2 छात्रों ने जान गंवाई। ब्रिटेन, चीन, जर्मनी, डेनमार्क और ग्रेनेडा में एक-एक छात्र की मौत दर्ज हुई। ये आंकड़े भी लोकसभा में साझा किए गए। सरकार ने बताया कि माली में अपहृत पांच भारतीयों की रिहाई के प्रयास जारी हैं। इन तकनीशियनों का अपहरण पिछले साल 6 नवंबर को सशस्त्र हमलावरों ने किया था। वे बिजली परियोजना पर काम कर रहे थे और सभी तमिलनाडु के निवासी हैं। सरकार ने कहा कि उनकी सुरक्षित वापसी के लिए लगातार कूटनीतिक प्रयास हो रहे हैं।

भारत के किसानों, उद्यमियों के लिए नए अवसर खुलेंगेः मोदी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता की रूपरेखा जारी हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस पर खुशी जताते हुए सोशल मीडिया पोस्ट किया। इस पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा कि इस समझौते से भारत और अमेरिका दोनों को फायदा होगा और इससे भारत के किसानों, उद्यमियों और स्टार्टअप्स को काफी फायदा मिलेगा। सोशल मीडिया पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा, 'हम दो महान देशों के बीच अंतरिम व्यापार समझौते पर सहमत हुए हैं। मैं राष्ट्रपति ट्रंप को दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने के लिए उनकी प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद देता हूं। यह रूपरेखा हमारी साझेदारी की गहराई, विश्वास और गतिशीलता को दर्शाती है।' पीएम मोदी ने अपने पोस्ट में आगे कहा, 'यह भारत के मेहनती किसानों, उद्यमियों, एमएसएमई, स्टार्टअप इनोवेटर्स, मछुआरों और अन्य लोगों के लिए नए अवसर खोलकर 'मेक इन इंडिया' को मजबूत करता है। यह महिलाओं और युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा करेगा। भारत और अमेरिका नवाचार को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं और यह रूपरेखा हमारे बीच निवेश और प्रौद्योगिकी साझेदारी को और गहरा करेगा। यह फ्रेमवर्क लचीली और भरोसेमंद सप्लाई चेन को भी मजबूत करेगा और वैश्विक विकास में योगदान देगा।' केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर व्यापार समझौते पर अहम जानकारी दी, जिसके बाद दोनों देशों ने संयुक्त बयान जारी कर समझौते पर मुहर लगाई। बता दें कि व्यापार समझौते की रूपरेखा के तहत अमेरिका ने भारतीय उत्पादों पर टैरिफ 50' घटाकर 18' किया है। इससे भारतीय कंपनियों को अमेरिका में सामान बेचना सस्ता और आसान हो जाएगा।

कब मुख्यमंत्री बनेंगे शिवकुमार?:
कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन पर खुद दिया जवाब, इशारों-इशारों में कही बड़ी बात

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बंगलूरू

कर्नाटक कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद को लेकर पिछले कई महीनों से सियासी हलचल तेज है। इसी बीच अब इस मामले में उपमुख्यमंत्री और राज्य कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि वे कब मुख्यमंत्री बनेंगे, इस बात का फैसला अपने समय पर होगा। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि सभी को कांग्रेस हाई कमांड के निर्णय का पालन करना होगा। बता दें कि शिवकुमार के ये बयान ऐसे समय में आए हैं जब उनके और मुख्यमंत्री सिद्दारमैया के बीच मुख्यमंत्री पद को लेकर सत्ता संघर्ष की खबरें फिर से चर्चा में हैं। दूसरी ओर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के बेटे यतिंद्र ने बीते दिन कहा है कि उनके पिता अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे और पार्टी हाई कमांड ने भी इसे संकेत दिया है। इसके बाद से सियासी गलियारों में मुख्यमंत्री पर को लेकर हलचल और बढ़ गई है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान शिवकुमार ने आगे कहा कि लोग, विधायक और आप लोग (मीडिया), सभी की इच्छाएं होती हैं। लेकिन हमें हमेशा पार्टी के फैसले का सम्मान करना चाहिए। यह बात उन्होंने तब कही जब उनसे पूछा गया कि उनके समर्थक हर जगह यह चाहते हैं कि वह मुख्यमंत्री बने। जब उनसे यह पूछा गया कि क्या राज्य बजट के बाद उन्हें मुख्यमंत्री बनने की उम्मीद है, तो शिवकुमार ने जवाब दिया कि इसका जवाब समय ही देगा। इसके साथ ही डीके शिवकुमार ने बंगलूरू मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (बीएमआरसीएल) पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि किराया बढ़ाने से पहले मुझसे कोई राय नहीं ली गई। उन्होंने आश्वासन दिया कि बंगलूरू लौटने के बाद इस मामले पर विस्तार से चर्चा करेंगे और वित्तीय ढांचे की समीक्षा भी करेंगे। बता दें कि बीएमआरसीएल की फर्स्ट फेयर फिक्सेशन कमिटी (एफएफसी) ने बताया कि करीब 7.5 साल बाद किराया बढ़ाया गया है और 29 फेयर जोन को घटाकर 10 किया गया, जिससे औसतन किराया 51.55' बढ़ा। एफएफसी ने भविष्य में वार्षिक किराया वृद्धि की सिफारिश की है, जो O&M खर्च या 5' प्रति साल, जो भी कम हो, के अनुसार होगी। इससे छोटे और नियमित किराया बदलाव संभव होंगे। इसका असर यह होगा कि 9 फरवरी 2026 से वार्षिक ऑटोमैटिक किराया वृद्धि लागू होगी, और मेट्रो नेटवर्क के 96.10 किलोमीटर में किराया 1 से 5 रुपये तक बढ़ेगा। शिवकुमार ने फिर कहा कि लोग और विधायक चाहते हैं कि मैं मुख्यमंत्री बनूं, लेकिन हमें पार्टी के निर्णय का पालन करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि किसी के समर्थक यह इच्छा जताएं कि उनका नेता मुख्यमंत्री बने, इसमें कोई गलती नहीं है। अंत में उन्होंने कहा कि बजट के बाद क्या होगा

सरकार बदली, सिस्टम वही, आंकड़े चीख रहे हैं
सिस्टम बहरेपन पर कायम, हादसों की लंबी सूची

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

दिल्ली में सरकारें बदलती रहीं, घोषणाएं बदलती रहीं लेकिन सिस्टम जस का तस बना रहा। नोएडा के सेक्टर-150 में निर्माणाधीन बेसमेंट में डूबकर इंजीनियर युवराज मेहता की मौत और उसके कुछ दिन बाद जनकपुरी में गड्ढे में गिरकर एचडीएफसी में कॉल सेंटर में काम करने वाले कमल की जान जाना। दोनों घटनाएं अलग-अलग हादसे नहीं हैं। ये दिल्ली-एनसीआर के बुनियादी ढांचे की बदहाली और प्रशासनिक लापरवाही की एक ही कहानी के दो अध्याय हैं। जनकपुरी में जिस जगह कमल की मौत हुई, वहां दिल्ली जल बोर्ड की ओर से गड्ढा खोदा गया था। लेकिन न बैरिकेडिंग थी, न चेतावनी बोर्ड, न रात में कोई रोशनी। बृहस्पतिवार रात कमल उसी गड्ढे में गिरा और उसकी जान चली गई। सिस्टम ने फिर साबित कर दिया कि सुरक्षा इंतजाम कागजों तक सीमित हैं। राजधानी दिल्ली में खुले नालों, सड़क धंसने और मानसून के दौरान जलभराव के कारण औसतन हर महीने चार लोगों की मौत हो रही है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी 2024 से दिसंबर 2025 के बीच ऐसे हादसों में 89 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। इसके बावजूद न तो जमीनी स्तर पर हालात सुधरे और न ही जिम्मेदार अधिकारियों पर कोई स्थायी और सख्त कार्रवाई हो सकी। राजस्व विभाग के आंकड़े बताते हैं कि इन मौतों के बाद न तो अधिकांश मामलों में अधिकारियों की जवाबदेही तय होती है और न ही पीड़ित परिवारों तक समय पर मुआवजा पहुंचता है। जांच समितियां बनती हैं, फाइलें चलती हैं, लेकिन परिवार न्याय की आस में भटकते रहते हैं। दिल्ली में नालों और सड़कों की देखरेख एक नहीं, बल्कि कई विभागों के हाथ में है। लोक निर्माण विभाग, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग, दिल्ली नगर निगम, (एमसीडी), दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड और दिल्ली जल बोर्ड। इतने सारे विभाग हैं कि हादसा होते ही सबसे पहले यही तय नहीं हो पाता कि किस विभाग की चूक थी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, संदीप कुमार के लिए कसाणा प्रिंटिंग प्रेस, नियर बस स्टैंड भिण्डुसी, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301405, से मुद्रित तथा 109, धर्मशाला के पास, वीपीओ- हींगवाहेड़ा, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301411 से प्रकाशित। संपादक, संदीप कुमार Mob- 9414508610 E-mail:- pratigya.alwar@gmail.com पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र अलवर होगा